रायपुर

शुक्रवार 18 सितंबर 2026

वर्ष-07, अंक-260

पृष्ठ-08, मूल्य- दो रुपए

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित दैनिक समाचार-पत्र

हमारा उद्देश्य सेवा समर्पण जनकल्याण

एक सत बुलेटिन

E-mail: eksatbulletin@gmail.com Website: www.eksatbulletin.in

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपने निवास पर जलाया 'आशीर्वाद का दीया'

छत्तीसगढ़ में 1.50 करोड़ दीये

मुख्यमंत्री ने कहा - सेवा और राष्ट्र निर्माण को समर्पित प्रधानमंत्री के 25 वर्षों की यात्रा हम सभी के लिए प्रेरणा

रायपुर में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन

रायपुर के मरीन ड्राइव पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग मौजूद है। वहीं कटोरा तालाब के पास दोनों ओर सड़क दिए की रोशनी से जगमगाई।

बिलासपुर में भारत के नक्शे के बीच पीएम मोदी की रंगोली

बिलासपुर के पुलिस मैदान में दीप जलाने से पहले आकर्षक लाइटिंग के साथ भारत का नक्शा बनाया गया है। इसके बीच क्रू मोदी की रंगोली सजाई गई है। जिलेभर में 10 लाख दीये जलाने की तैयारी की गई है।

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर अपने निवास पर 'आशीर्वाद का दीया' प्रज्वलित कर उनके स्वस्थ, सुदीर्घ और यशस्वी जीवन की मंगलकामना की। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्रसेवा और जनकल्याण के प्रति समर्पण को स्मरण करते हुए अपनी शुभकामनाएं व्यक्त कीं।मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने अपने सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष राष्ट्र और जनसेवा को समर्पित किए हैं। गरीब कल्याण से लेकर सुशासन, अंत्योदय से लेकर आत्मनिर्भर भारत और विरासत के सम्मान से लेकर आधुनिक भारत के निर्माण तक उनकी यह यात्रा देशवासियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है।मुख्यमंत्री ने कहा कि आज प्रधानमंत्री जी के जन्मदिवस पर छत्तीसगढ़ सहित देशभर में सेवा और जनभागीदारी का भाव दिखाई दे रहा है। 'आशीर्वाद का दीया' इसी आत्मीय भावना की अभिव्यक्ति है। यह छोटा-सा दीप प्रधानमंत्री जी के प्रति प्रदेशवासियों के स्नेह, विश्वास और शुभकामनाओं का प्रतीक है।मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ विकसित भारत के निर्माण में अपनी भूमिका पूरी प्रतिबद्धता के साथ निभा रहा है। हमारा संकल्प है कि विकास की रोशनी प्रदेश के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और गांव, गरीब, किसान, महिला, युवा तथा जनजातीय समाज की आकांक्षाएं विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण की शक्ति बनें।

'आशीर्वाद का दिया' कार्यक्रम के तहत जलेंगे लाखों दीये

भाजपा ने रायपुर में 'आशीर्वाद का दिया' कार्यक्रम के तहत 25 लाख दीये जलाने का संकल्प रखा है। कार्यक्रम की तैयारियों के बीच कटोरा तालाब के किनारे महिलाएं रंगोली बना रही हैं। यहां रंग-बिरंगी रंगोलियों से आयोजन स्थल को सजाया जा रहा है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर रायपुर में कटोरा तालाब से कैनाल रोड तक करीब 4 किलोमीटर के रास्ते पर दीप जलाए जाएंगे। कार्यक्रम को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। शाम को सड़क के दोनों ओर दीपों से रोशनी की जाएगी।

श्रमवीरों के परिश्रम और पसीने से हो रहा समृद्ध छत्तीसगढ़ का निर्माण : मुख्यमंत्री साय

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा है कि छत्तीसगढ़ के श्रमवीर अपने परिश्रम, पुरुषार्थ और पसीने से समृद्ध एवं विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण की नई इबारत लिख रहे हैं। गांवों के खेत-खलिहानों से लेकर शहरों की ऊंची इमारतों तक, सड़कों और पुलों से लेकर सिंचाई परियोजनाओं, उद्योगों और अधोसंरचना के निर्माण तक प्रदेश की प्रगति की हर तस्वीर में हमारे श्रमिक भाई-बहनों की मेहनत समाहित है। छत्तीसगढ़ ने अपने गठन के 25 वर्षों में विकास के जो नए प्रतिमान स्थापित किए हैं, उनके पीछे हमारे मेहनतकश हाथों का बड़ा योगदान है। यही हाथ आने वाले वर्षों में विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प को भी साकार करेंगे।

श्रमिकों का सम्मान, सामाजिक सुरक्षा और उनके परिवारों का उज्ज्वल भविष्य हमारी सरकार की प्राथमिकता-मुख्यमंत्री श्री साय

मुख्यमंत्री श्री साय आज राजधानी रायपुर के सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर आयोजित राज्य स्तरीय श्रमिक महासम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने प्रदेशभर से आए हजारों श्रमिक भाई-बहनों को विश्वकर्मा जयंती की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं और भगवान विश्वकर्मा से छत्तीसगढ़ की सुख, शांति, समृद्धि और निरंतर प्रगति की कामना की।

श्रमिकों का सम्मान, सामाजिक सुरक्षा और उनके परिवारों का उज्ज्वल भविष्य हमारी सरकार की प्राथमिकता-मुख्यमंत्री श्री साय

मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान विश्वकर्मा निर्माण और सृजन के आराध्य हैं। वे हमें श्रम के सम्मान और अपने हुनर पर गर्व करने की प्रेरणा देते हैं। सही मायनों में हमारे श्रमिक भाई-बहन ही विकसित छत्तीसगढ़ के विश्वकर्मा हैं। राज्य सरकार श्रमिकों के परिश्रम का सम्मान करने के साथ उनके जीवन में सुरक्षा, सुविधा और समृद्धि सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

श्रमिकों का सम्मान, सामाजिक सुरक्षा और उनके परिवारों का उज्ज्वल भविष्य हमारी सरकार की प्राथमिकता-मुख्यमंत्री श्री साय

उन्होंने कहा कि हमारी सरकार की सोच स्पष्ट है कि विकास का लाभ उस श्रमिक तक भी पहुंचे, जिसके श्रम से विकास की नींव तैयार होती है। श्रमिक को उसके परिश्रम का पूरा सम्मान मिले, उसे सामाजिक सुरक्षा का भरोसा मिले, परिवार आर्थिक रूप से सशक्त बने और उसके बच्चों को आगे बढ़ने के समान अवसर मिलें - इसी उद्देश्य के साथ सरकार श्रमिक कल्याण की योजनाओं को लगातार विस्तार दे रही है।

श्रमिकों का सम्मान, सामाजिक सुरक्षा और उनके परिवारों का उज्ज्वल भविष्य हमारी सरकार की प्राथमिकता-मुख्यमंत्री श्री साय

श्रमिक हित में मुख्यमंत्री की तीन बड़ी घोषणाएं

मुख्यमंत्री श्री साय ने राज्य स्तरीय श्रमिक महासम्मेलन में श्रमिक भाई-बहनों की सुविधा, आवागमन और स्वरोजगार को ध्यान में रखते हुए तीन महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। मुख्यमंत्री ने शहरों में रोजगार की तलाश में विभिन्न स्थानों पर एकत्र होने वाले श्रमिकों के लिए सर्वसुविधायुक्त आधुनिक श्रमिक सुविधा केंद्र स्थापित करने की घोषणा की। इन केंद्रों में श्रमिकों के बैठने की समुचित व्यवस्था के साथ स्वच्छ पेयजल, मोबाइल चार्जिंग और अन्य आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इससे काम की तलाश में शहर आने वाले श्रमिकों को सम्मानजनक और सुविधाजनक स्थान उपलब्ध होगा।

मुख्यमंत्री ने पंजीकृत श्रमिकों के आवागमन को सुगम बनाने और उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त करने के उद्देश्य से ई-बाइक सहायता योजना प्रारंभ करने की भी घोषणा की। उन्होंने कहा कि काम के लिए प्रतिदिन लंबी दूरी तय करने वाले श्रमिकों के लिए आवागमन की सुविधा सीधे तौर पर उनकी आजीविका और जीवन की सहजता से जुड़ी है। मुख्यमंत्री श्री साय ने असंगठित क्षेत्र के रिक्शा चालकों को ई-रिक्शा खरीदने के लिए दी जाने वाली सहायता राशि को 50 हजार रुपए से बढ़ाकर एक लाख रुपए करने की भी घोषणा की। उन्होंने कहा कि इससे परंपरागत रिक्शा चालकों को आधुनिक साधन अपनाने, अपनी आय बढ़ाने और स्वरोजगार को अधिक मजबूत बनाने में सहायता मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य केवल आर्थिक सहायता देना नहीं, बल्कि श्रमिकों और उनके परिवारों के जीवन में स्थायी सकारात्मक बदलाव लाना है। श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा, उनके बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, महिलाओं को आत्मनिर्भरता और युवाओं को आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध कराकर एक सशक्त श्रमिक परिवार का निर्माण करना सरकार की प्राथमिकता है।

'1.43 लाख से अधिक श्रमिकों को 51.32 करोड़ रुपए से अधिक की सौगात'

महासम्मेलन में मुख्यमंत्री श्री साय ने श्रम विभाग के विभिन्न मंडलों द्वारा संचालित 26 योजनाओं के अंतर्गत डीबीटी के माध्यम से 1 लाख 43 हजार से अधिक श्रमिकों के बैंक खातों में 51 करोड़ 32 लाख रुपए से अधिक की सहायता राशि अंतरित की।

पीएम मोदी के 76वें जन्मदिन पर धर्मेंद्र प्रधान ने मां समलेश्वरी मंदिर में जलाए दीप, लंबी उम्र की कामना की

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

पीएम मोदी के जन्मदिन पर पूर्व केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने माता समलेश्वरी मंदिर में दीप जलाए। इस दौरान उन्होंने मोदी जी की लंबी उम्र की कामना की। वहीं, राजनाथ सिंह ने काशी में पूजा अर्चना की।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 76वें जन्मदिन और 25 साल की सेवा पूरी होने पर पूर्व केंद्रीय मंत्री और सांसद धर्मेंद्र प्रधान ने ओडिशा के संबलपुर में माता समलेश्वरी मंदिर में दीप जलाए। उन्होंने मोदी जी के स्वस्थ, लंबे और शुभ जीवन की कामना की। इस मौके पर पार्टी के कार्यकर्ताओं ने भी दीप जलाकर प्रधानमंत्री जी के अच्छे स्वास्थ्य और लंबी उम्र की प्रार्थना की।वहीं, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन के वाराणसी के काशी विश्वनाथ मंदिर में पूजा अर्चना की। उन्होंने पीएम मोदी को बधाई देते हुए कहा, पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत 'विकसित भारत' बनाने की दिशा में पूरे भरोसे के साथ आगे बढ़ रहा है। सड़क-बिजली जैसे बुनियादी ढांचे से लेकर डिजिटल कनेक्टिविटी तक,

गरीबों की मदद से लेकर नए आइडिया और व्यवसाय तकज हर क्षेत्र में बहुत अच्छी और ऐतिहासिक तरक्की हुई है। राजनाथ सिंह ने कहा कि लोगों का जीवन आसान हुआ है, मौके बढ़े हैं और हर व्यक्ति का सम्मान बढ़ा है।रक्षा मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने देश के विकास में अच्छे शासन और जनता की सेवा को सबसे ऊपर रखा है। इससे सरकार का काम ज्यादा साफ-सुथरा, जवाबदेह और लोगों के हित में हुआ है। उनके नेतृत्व में भारत की पुरानी सभ्यता और संस्कृति को दुनिया में नई पहचान और इज्जत मिली है। राजनाथ सिंह ने कहा कि आज भारत अपनी जड़ों से ताकत लेकर नए संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। मैं उनके अच्छे स्वास्थ्य, लंबी उम्र और देश की सेवा करते रहने के लिए प्रार्थना करता हूं।

न्यूज इन शॉर्ट

मोदी के जन्मदिन पर कांग्रेस का विरोध अभियान, 'सेवा संकल्प' के बजाय बेरोजगारी-महंगाई दिवस मनाने का ऐलान

सुकमा. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन को लेकर छत्तीसगढ़ जिला कांग्रेस कमेटी ने विरोध का कार्यक्रम घोषित किया है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष हरीश कवासी ने प्रेसवार्ता करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के जन्मदिन और उनके कार्यकाल के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर भाजपा द्वारा इसे सेवा और समर्पण के रूप में मनाया जाना उचित नहीं है। कांग्रेस ने इसके बजाय बेरोजगारी दिवस, महंगाई दिवस, वनाधिकार दिवस और किसान धोखा दिवस जैसे कार्यक्रमों के रूप में इसे मनाने की बात कही है।हरीश कवासी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल को लेकर विभिन्न मुद्दे उठाए हैं। इनमें महंगाई, रोजगार, किसानों की आय, नोटबंदी, जीएसटी, पेट्रोल-डीजल की कीमतें, रुपये की स्थिति, वन अधिकार कानून, सार्वजनिक उपक्रमों की बिक्री और अग्निवीर योजना सहित कई विषय शामिल हैं। उन्होंने दावा किया है कि केंद्र सरकार द्वारा किए गए कई वादे पूरे नहीं हुए। जिलाध्यक्ष ने वर्ष 2014 में रोजगार के अवसर बढ़ाने, किसानों की आय दोगुनी करने और महंगाई कम करने जैसे मुद्दों को उठाते हुए सरकार से जवाब मांगा है। वहीं नोटबंदी और जीएसटी के आर्थिक प्रभावों पर भी सवाल खड़े किए गए हैं।कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने प्रधानमंत्री से संबंधित 43 सवालों की सूची भी जारी की है। इनमें बेरोजगारी, महंगाई, पेट्रोल-डीजल के दाम, किसानों की आय, शिक्षा संस्थानों की स्थिति, सरकारी अस्पताल, स्मार्ट सिटी, सरकारी संपत्तियों की बिक्री, विदेश यात्राओं पर खर्च और नोटबंदी से जुड़े सवाल शामिल हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की उपलब्धियों के दावों के बीच इन सवालों का जवाब जनता के सामने आना चाहिए।

धार आपार अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित

सारंगढ़-बिलाईगढ़, । धार आपार अभियान के प्रभावी एवं गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन को लेकर जिला पंचायत सारंगढ़ में जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में राज्य स्तरीय प्रशिक्षक विभाष चौबे (अत्रङ्कस्र) ने अभियान से जुड़े अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अभियान की कार्ययोजना, क्रियान्वयन प्रक्रिया तथा मैदानी स्तर पर किए जाने वाले कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। प्रशिक्षण के दौरान जिले में अभियान के अंतर्गत प्रस्तावित कार्यों को बेहतर ढंग से क्रियान्वित करने के साथ-साथ तकनीकी पहलुओं और कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। कार्यशाला में जिले के तीन नालों से संबंधित कार्यों का विस्तृत प्रस्तुतीकरण किया गया। इस दौरान नालों से जुड़े प्रस्तावित कार्यों, तकनीकी आवश्यकताओं, मैदानी स्तर पर क्रियान्वयन की प्रक्रिया तथा कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के संबंध में अधिकारियों-कर्मचारियों के साथ विस्तार से चर्चा की गई। प्रशिक्षण के माध्यम से अभियान के उद्देश्यों को धरातल पर प्रभावी रूप से लागू करने के लिए आवश्यक तकनीकी एवं व्यावहारिक जानकारी प्रदान की गई। कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ऋषिकेश तिवारी ने अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आवश्यक मार्गदर्शन देते हुए अधिकारियों-कर्मचारियों को निर्धारित कार्ययोजना के अनुरूप समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए।

सेवा संकल्प अभियान के तहत जिलेभर में रक्तदान शिविर, नागरिकों ने बढ़-चढ़कर निभाई सहभागिता

जिला चिकित्सालय सहित सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में आयोजित हुआ रक्तदान शिविर, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों एवं नागरिकों ने किया स्वैच्छिक रक्तदान

एक सत बुलेटिन > सारंगढ़-बिलाईगढ़,

सेवा संकल्प अभियान के तहत आज जिला चिकित्सालय सारंगढ़ सहित जिले के सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में अधिकारी-कर्मचारियों के साथ स्थानीय नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक एवं समाजसेवी संगठनों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाते हुए स्वेच्छा से रक्तदान किया। रक्तदाताओं ने रक्तदान के माध्यम से मानव सेवा का संदेश देते हुए जरूरतमंद मरीजों के जीवन को बचाने में अपनी महत्वपूर्ण भागीदारी सुनिश्चित की।

जिला चिकित्सालय सारंगढ़ में आयोजित रक्तदान शिविर का शुभारंभ कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू, जिला पंचायत अध्यक्ष संजय भूषण पांडे, जिला पंचायत सीईओ ऋषिकेश तिवारी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पुष्पेंद्र कुमार वैष्णव एवं सिविल सर्जन डॉ. दीपक जायसवाल सहित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों की उपस्थिति में हुआ। इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया तथा स्वयं भी लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित किया।

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जिले के सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में आयोजित रक्तदान शिविरों में भी स्थानीय नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संस्थाओं एवं समाजसेवी संगठनों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। युवाओं सहित विभिन्न वर्गों के लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान कर यह संदेश दिया कि जरूरतमंद व्यक्ति के लिए किया गया रक्तदान मानवता की सेवा का महत्वपूर्ण माध्यम है।

शिविर के दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा रक्तदान के महत्व, रक्त की आवश्यकता तथा नियमित स्वैच्छिक रक्तदान के संबंध में नागरिकों को जागरूक किया गया। नागरिकों से अपील की गई कि स्वस्थ एवं पात्र व्यक्ति स्वेच्छा से रक्तदान के इस पुनीत कार्य में सहभागी बनें और जरूरतमंद मरीजों के जीवन की रक्षा में अपना योगदान दें। जिलेभर में आयोजित रक्तदान शिविर में दिखाई दी जनभागीदारी ने सेवा संकल्प अभियान के सेवा, संवेदना और जनसहभागिता के भाव को और मजबूत किया।

बदलाव की कहानी सफलता की कहानी

बेटी की पढ़ाई के सपनों को मिला सहारा, मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण योजना से राधे श्याम को मिली 20 हजार रुपए की मदद

एमसीबी मेहनत - मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करने वाले राधे श्याम, ग्राम लालपुर निवासी हैं। अपनी सीमित आय के बीच भी उनकी हमेशा यही कोशिश रही कि उनकी बेटी को अच्छी शिक्षा मिले और वह अपने जीवन में आगे बढ़े। बेटी की पढ़ाई से जुड़े खर्चों को पूरा करना उनके लिए चुनौती थी, लेकिन श्रम विभाग की योजना ने उनके इस प्रयास को मजबूती प्रदान की है।

श्रम विभाग में पंजीयन से मिला योजना का लाभ

राधे श्याम का श्रम विभाग में पंजीयन है। इसी पंजीयन के अंतर्गत उनकी पुत्री की शिक्षा के लिए मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण योजना का लाभ मिला। योजना के तहत उन्हें 20,000 रुपये की सहायता राशि प्राप्त हुई, जिससे बेटी की शिक्षा संबंधी जरूरतों को पूरा करने में उन्हें आर्थिक सहयोग मिला है।

बेटी की शिक्षा को प्राथमिकता, सहायता राशि का सही उपयोग

राधे श्याम ने प्राप्त राशि को अपनी बेटी की शिक्षा के लिए उपयोग करने का निर्णय लिया है। उनके लिए यह सहायता केवल आर्थिक सहयोग नहीं, बल्कि बेटी के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में मिला महत्वपूर्ण संबल है। मजदूरी से होने वाली आय के बीच शिक्षा का खर्च उठाने में मिली इस सहायता से उन्हें काफी राहत मिली है।

सरकार की पहल से मजबूत हुआ बेटी के भविष्य का भरोसा

राधे श्याम का कहना है कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं श्रमिक परिवारों के बच्चों की शिक्षा को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण योजना के माध्यम से मिली राशि का उपयोग वे अपनी बच्ची की पढ़ाई में कर रहे हैं, जिससे उन्हें उसके बेहतर भविष्य को लेकर विश्वास और उम्मीद मिली है।

राधे श्याम ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं श्रम विभाग के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि 20,000 रुपये की सहायता राशि उनकी बेटी की शिक्षा के लिए काफी उपयोगी है। उन्होंने इस सहयोग के लिए मुख्यमंत्री तथा श्रम विभाग को धन्यवाद दिया और कहा कि सरकार की इस पहल से श्रमिक परिवारों की बेटियों को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने का अवसर मिल रहा है।

जल जीवन मिशन ने बदली भुलिया बाई की जिंदगी, घर की देहरी तक पहुंचा शुद्ध पेयजल

पहले पानी के लिए बिल्लमगढ़ तक तय करना पड़ता था कठिन सफर

एक सत बुलेटिन > गौरेला-पेंड्रा-मरवाही

जल जीवन मिशन ग्रामीण क्षेत्रों में सिर्फ घरों तक नल पहुंचाने की योजना नहीं, बल्कि यह ग्रामीण परिवारों के जीवन में सुविधा, स्वास्थ्य और सम्मान का नया अध्याय लिखने वाली महत्वपूर्ण पहल साबित हो रही है। जिले के गौरेला विकासखंड के वनांचल ग्राम करंगरा में रहने वाली भुलिया बाई के जीवन में भी जल जीवन मिशन ने ऐसा ही सकारात्मक बदलाव लाया है। भुलिया बाई बताती हैं कि कुछ समय पहले तक उनके परिवार के लिए पीने के पानी की व्यवस्था करना रोजमर्रा की बड़ी चुनौती थी। पानी लेने के लिए उन्हें गांव से दूर बिल्लमगढ़ तक उबड़-खाबड़ रास्तों से होकर जाना पड़ता था। पानी लाने में काफी समय और मेहनत लगती थी। घरेलू कामकाज के साथ पानी की व्यवस्था की जिम्मेदारी उनके लिए शारीरिक थकान और परेशानी का कारण बनती थी।

जल जीवन मिशन के तहत उनके घर में नल कनेक्शन स्थापित होने के बाद अब परिस्थितियां पूरी तरह बदल गई हैं। घर में नल से पानी मिलने लगा है और पानी के लिए दूर जाने की जरूरत नहीं पड़ती। अब परिवार को घर की देहरी पर ही स्वच्छ एवं शुद्ध पेयजल उपलब्ध हो रहा है। भुलिया बाई के चेहरे पर इस बदलाव की खुशी साफ दिखाई देती है। वे कहती हैं कि ÷पहले पानी के लिए दूर जाना पड़ता था, लेकिन अब घर में ही नल से पानी मिल जाता है। इससे समय और मेहनत दोनों की बचत हो रही है। घर-घर नल से जल पहुंचने से ग्रामीण परिवारों को न केवल पानी लाने की परेशानी से मुक्ति मिल रही है, बल्कि स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता से स्वास्थ्य संबंधी जोखिमों को कम करने में भी मदद मिल रही है। पानी की सहज उपलब्धता से परिवार के दैनिक जीवन में सुविधा बढ़ी है और महिलाओं को विशेष रूप से राहत मिली है।

स्वास्थ्य मंत्री ने रक्तदान कर दिया महादान का संदेश

उन्होंने लोगों से अपील की कि वे स्वयं रक्तदान करें और अपने आसपास के लोगों को भी इसके लिए जागरूक करें

एक सत बुलेटिन > मनेंद्रगढ़

सेवा संकल्प अभियान 2026 के द्वितीय चरण के शुभारंभ अवसर पर स्थानीय विधायक एवं स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने स्वयं रक्तदान कर लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित किया। उन्होंने रक्तदान को मानव सेवा का महत्वपूर्ण माध्यम बताते हुए कहा कि जरूरत के समय रक्त किसी व्यक्ति का जीवन बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

मेडिकल कॉलेज मनेंद्रगढ़ के प्रथम वर्ष प्रवेश उत्सव एवं वृहद स्वास्थ्य शिविर के दौरान आयोजित रक्तदान शिविर में स्वास्थ्य मंत्री ने रक्तदान किया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि रक्तदान केवल एक सामाजिक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि किसी जरूरतमंद के जीवन को बचाने का माध्यम है। स्वस्थ व्यक्ति को समय-समय पर रक्तदान के लिए आगे आना चाहिए।

स्वास्थ्य मंत्री के रक्तदान से शिविर में मौजूद लोगों में भी उत्साह देखने को मिला और लोगों ने रक्तदान के लिए आगे आने का संदेश दिया। शिविर के दौरान कुल 19 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान का उद्देश्य स्वास्थ्य सेवाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। रक्तदान भी इसी सेवा भावना का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे स्वयं रक्तदान करें और अपने आसपास के लोगों को भी इसके लिए जागरूक करें।

अंतरराष्ट्रीय ओडिशी नृत्यांगना आर्या नंदे ने कहाः—कला केवल अभिव्यक्ति नहीं, समाज को जोड़ने और सेवा भाव जगाने का सशक्त माध्यम

नृत्य की साधना से विश्व पटल तक पहुंची सारंगढ़ की आर्या नंदे, अब 'सेवा संकल्प अभियान' में जनभागीदारी

ओडिशी नृत्य के माध्यम से देश-विदेश में बिखेरी भारतीय संस्कृति की छटा, दो दशकों की कला-साधना के लिए 'गुरु देवप्रसाद युवा प्रतिभा सम्मान-2025' से सम्मानित

एक सत बुलेटिन > सारंगढ़-बिलाईगढ़,

छत्तीसगढ़ की कला, संस्कृति और साहित्य की समृद्ध नगरी सारंगढ़ की मूल निवासी एवं अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त ओडिशी नृत्यांगना सुश्री आर्या नंदे ने अपनी दो दशकों की अनवरत कला-साधना से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। देश-विदेश में ओडिशी नृत्य के माध्यम से भारतीय संस्कृति की छटा बिखेरने वाली आर्या नंदे अब 'सेवा संकल्प अभियान' से भी सक्रिय रूप से जुड़कर कला, संस्कृति और सामाजिक सहभागिता के माध्यम से आमजनों को सकारात्मक कार्यों से जुड़ने के लिए प्रेरित कर रही हैं। अभियान के तहत आयोजित सांस्कृतिक, सामाजिक

एवं जन-जागरूकता गतिविधियों में सहभागिता का संदेश देते हुए उन्होंने कहा कि सेवा और संस्कृति दोनों समाज को जोड़ने

की शक्ति रखते हैं और जब आमजन अपनी भूमिका निभाते हुए किसी सकारात्मक संकल्प से जुड़ते हैं, तो उसका प्रभाव पूरे समाज पर पड़ता है। हाल ही में उन्हें कला के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए '19वें गुरु देवप्रसाद युवा प्रतिभा सम्मान-2025' से सम्मानित किया गया है।सारंगढ़ से जुड़ी आर्या नंदे ने ओडिशी नृत्य की दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाने के लिए लगभग दो दशकों तक निरंतर साधना, रियाज और गुरु-शिष्य परंपरा का अनुसरण किया है। बचपन से ही शास्त्रीय नृत्य के प्रति उनकी रुचि को देखते हुए माता श्रीमती विनीता नंदे और पिता श्री रवीन्द्र नंदे ने उन्हें विधिवत प्रशिक्षण दिलाने का निर्णय लिया। इसके बाद भुवनेश्वर स्थित प्रतिष्ठित 'त्रिधारा ओडिशी डांस अकादमी' में उन्होंने प्रख्यात नृत्य गुरु डॉ. गजेंद्र कुमार पंडा के मार्गदर्शन में ओडिशी नृत्य की बारीकियां सीखीं। गुरु के सानिध्य में निरंतर अभ्यास और अनुशासित साधना ने उनकी कला को निखारा और उन्हें राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय मंचों तक पहुंचाया।

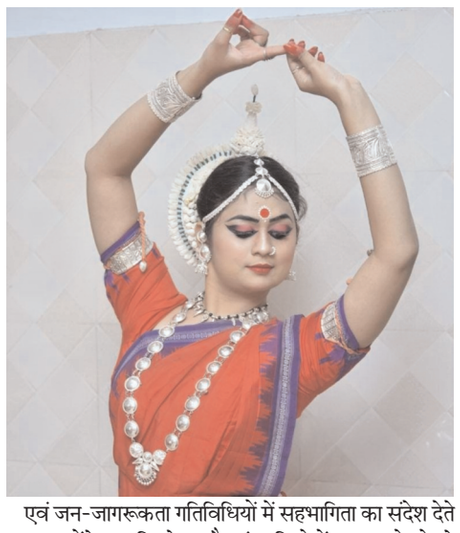

आर्या नंदे की कला-साधना का विस्तार देश की सीमाओं से आगे तक हुआ है। कम उम्र में ही उन्हें अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिला। मलेशिया में गवर्नर द्वारा सम्मानित किए जाने के साथ उन्होंने कुआलालंपुर, जापान के टोक्यो, नागोया और कारिया में आयोजित 'नमस्ते इंडिया' कार्यक्रमों, सिंगापुर, बहरीन, दुबई, बैंकॉक, थाईलैंड और इंडोनेशिया सहित विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों पर ओडिशी नृत्य की प्रस्तुतियां दी हैं। इन मंचों पर उनकी प्रस्तुतियों के माध्यम से भारतीय शास्त्रीय नृत्य, परंपरा और संस्कृति की विविधता को अंतरराष्ट्रीय दर्शकों तक पहुंचाने का अवसर मिला। राष्ट्रीय स्तर पर भी सुश्री आर्या नंदे ने अनेक प्रतिष्ठित सांस्कृतिक आयोजनों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है। खजुराहो डांस फेस्टिवल, चक्रधर समारोह रायगढ़, राजिम कुंभ फेस्टिवल, भोरमदेव महोत्सव, पावस-प्रसंग रायपुर, जांज्वल्य महोत्सव, रामगढ़ महोत्सव और 75वें सफर मुक्ताकाश जैसे महत्वपूर्ण आयोजनों में उनकी प्रस्तुतियां दर्शकों को देखने को मिली हैं। इसके अलावा ओडिशा के कोणार्क महोत्सव, धवली कलिंगा महोत्सव, योगिनी फेस्टिवल, वर्षा फेस्टिवल तथा नई दिल्ली के इंडिया हैबिटेट सेंटर में आयोजित '7वें गुरु देवप्रसाद दास नृत्य परंपरा' सहित विभिन्न प्रतिष्ठित मंचों पर भी उन्होंने ओडिशी नृत्य की प्रस्तुति दी है।

न्यूज इन शॉर्ट

महासमुंद जिले में जप्त रेत की नीलामी से राज्य सरकार को मिला 7 करोड़ राजस्व

महासमुंद, । मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निर्देश पर जिला प्रशासन महासमुंद एवं खनिज विभाग द्वारा छत्तीसगढ़ शासन के राजस्व हितों के संरक्षण तथा अवैध खनिज उत्खनन एवं परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने के उद्देश्य से निरंतर कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में वित्तीय वर्ष 2025–26 में खनिज विभाग एवं राजस्व विभाग द्वारा संयुक्त कार्यवाही करते हुये ग्राम बरबसपुर, बडगांव, बिरकोनी एवं घोड़ारी में अवैध रूप से भण्डारित रेत मात्रा 2,53,303 घन मीटर जप्त की गई थी। जप्त रेत के सुरक्षित संरक्षण, वैज्ञानिक प्रबंधन एवं शासन को राजस्व प्राप्त कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा नियमानुसार बंद लिफाफा के माध्यम से नीलामी की कार्यवाही प्रारंभ की गई। संपूर्ण प्रक्रिया को पारदर्शी, प्रतिस्पर्धात्मक एवं नियमसम्मत तरीके से संपादित किया गया, जिससे अधिकाधिक पात्र निविदाकारों की भागीदारी सुनिश्चित हो सकी। नीलामी प्रक्रिया के सफल संपादन के परिणामस्वरूप लगभग 2,53,303 घन मीटर जप्त रेत का विक्रय किया गया, जिससे शासन को लगभग 7 करोड़ 19 हजार 566 का राजस्व प्राप्त हुआ। यह उपलब्धि जिले के लिए वित्तीय उपलब्धि के साथ खनिज संसाधनों के प्रभावी प्रबंधन का भी उत्कृष्ट उदाहरण है। इस पहल से शासन को प्रत्यक्ष आर्थिक लाभ प्राप्त होने के साथ– साथ अवैध खनिज गतिविधियों के विरुद्ध एक सशक्त संदेश भी गया। जिले में अवैध उत्खनन एवं परिवहन में संलिप्त व्यक्तियों के मध्य कानून के प्रति जागरूकता एवं उत्तरदायित्व की भावना विकसित हुई तथा खनिज नियमों के पालन को बढ़ावा मिला। महासमुंद जिले में जप्त रेत की यह सफल नीलामी सुशासन, पारदर्शिता एवं संसाधनों के कुशल प्रबंधन की एक उल्लेखनीय उपलब्धि है। जिला प्रशासन और खनिज विभाग की टीम द्वारा खनिज संसाधनों के संरक्षण तथा अवैध गतिविधियों पर नियंत्रण के लिए प्रभावी कार्यवाही निरंतर की जा रही है।

बदलाव की कहानी सफलता की कहानी

मजदूरी से बेटे के उज्वल भविष्य तक- कुन्ती सिंह के परिवार में शिक्षा ने जगाई नई उम्मीद

एमसीबी मेहनत – मजदूरी कर परिवार का भरण–पोषण करने वाली ग्राम महाराजपुर दर्रीटोला निवासी श्रीमती कुन्ती सिंह, पति दिनेश सिंह के लिए अपने बच्चे को बेहतर शिक्षा दिलाना एक बड़ा सपना था। सीमित आर्थिक संसाधनों के बावजूद वह चाहती थीं कि उनका बेटा अच्छी शिक्षा प्राप्त कर अपने भविष्य को संवार सके। आज अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना ने उनके इस सपने को साकार करने की राह आसान कर दी है।

मेहनतकश मां की चाहत को मिला सरकारी योजनाओं का सहारा श्रीमती कुन्ती सिंह मजदूरी करके अपने परिवार का भरण–पोषण करती हैं। मजदूरी के कार्य के अंतर्गत उनका श्रम विभाग में पंजीयन हुआ था। इसी पंजीयन के माध्यम से उनके बेटे को अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना का लाभ प्राप्त हुआ और उसका प्रवेश योजना के अंतर्गत कराया गया।

बेटे की पढ़ाई अब बनी चिंता नहीं, अवसर में बदली परिस्थितियां अटल उत्कृष्ट योजना के तहत अब कुन्ती सिंह के बेटे को नि:शुल्क आवासीय शिक्षा मिल रही है। इससे बच्चे की शिक्षा के साथ उसके आवास की सुविधा भी सुनिश्चित हुई है। योजना का लाभ मिलने से परिवार पर शिक्षा संबंधी आर्थिक बोझ कम हुआ है और कुन्ती सिंह को अपने बेटे के भविष्य को लेकर नई उम्मीद मिली है।

शिक्षा के नए अवसर से मजबूत हुआ आत्मविश्वास कुन्ती सिंह के लिए यह योजना उनके बेटे के उज्वल भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उनका कहना है कि मजदूरी करके परिवार की जिम्मेदारियां निभाते हुए बच्चे की पढ़ाई का खर्च उठाना आसान नहीं था। अब बेटे को नि:शुल्क आवासीय शिक्षा मिलने से उन्हें राहत मिली है और विश्वास है कि उनका बच्चा अच्छी शिक्षा प्राप्त कर जीवन में आगे बढ़ेगा।

सरकार के प्रयासों को कुन्ती सिंह ने दिया धन्यवाद अपने बेटे को मिले इस अवसर से खुश श्रीमती कुन्ती सिंह ने श्रम विभाग एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया।

कवर्धा के बैगा अंचल में डॉ. वर्णिका शर्मा ने लगाई बाल चौपाल 2.0, बच्चों से सीधे संवाद कर जानी समस्याएं

आश्रम-छात्रावासों में व्यवस्थाओं की कमियों पर तत्काल सुधार के निर्देश, शिक्षा-स्वास्थ्य एवं बाल संरक्षण को लेकर अधिकारियों को दिए निर्देश

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा ने कवर्धा जिले के दौरे के दौरान दूरस्थ विशेष जनजातीय क्षेत्र बैरख में 'बाल चौपाल 2.0' आयोजित कर बच्चों से सीधे संवाद किया। उन्होंने बच्चों के अधिकार, शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और उनकी आवश्यकताओं को लेकर जानकारी ली। इस दौरान विभिन्न शैक्षणिक एवं आवासीय संस्थानों का निरीक्षण करने के साथ जिला मुख्यालय स्थित कलेक्टर सभागृह में संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ बाल अधिकारों एवं विभागीय योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की। डॉ. वर्णिका शर्मा ने कहा कि जनजातीय अंचल के बच्चे प्रतिभाशाली और होनहार हैं। उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आधुनिक तकनीकी संसाधन और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराकर उनके भविष्य को और बेहतर बनाया जा सकता है। उन्होंने बच्चों को डिजिटल संसाधनों से जोड़ने तथा आधुनिक तकनीक के माध्यम से उनके सीखने के अवसर बढ़ाने पर जोर दिया।

कवर्धा के बैगा अंचल में डॉ. वर्णिका शर्मा ने लगाई बाल चौपाल 2.0, बच्चों से सीधे संवाद कर जानी समस्याएं

बाल चौपाल में बच्चों ने खुलकर रखी अपनी बात

बैरख में आयोजित बाल चौपाल 2.0 में बच्चों ने उत्साह के साथ सहभागिता की। आयोग अध्यक्ष ने बच्चों के साथ संवाद कर उनकी पढ़ाई, रुचियों, समस्याओं और भविष्य के लक्ष्यों की जानकारी ली। क्विज एवं बाल अधिकारों पर आधारित सांप-सीढ़ी जैसे रोचक खेलों के माध्यम से बच्चों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया। गुड टच-बैड टच, चाइल्ड हेल्पलाइन, बाल विवाह सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर भी बच्चों से चर्चा की गई। डॉ. शर्मा ने बच्चों को अपनी बात बिना झिझक रखने के लिए प्रोत्साहित किया और संस्थानों में नियमित काउंसलिंग की व्यवस्था को प्रभावी बनाने पर जोर दिया।

संस्थानों के निरीक्षण में मिली कमियों पर तत्काल सुधार के निर्देश

आयोग अध्यक्ष ने आदिवासी बालक आश्रम बैरख सहित विभिन्न संस्थानों का निरीक्षण किया। इस दौरान साफ-सफाई, भंडार गृह की व्यवस्था, शिक्षकों की उपलब्धता तथा मलेरिया से बचाव की व्यवस्थाओं में कमियां सामने आने पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को तत्काल सुधार के निर्देश दिए। मलेरिया से बचाव के लिए नई मच्छरदानियां उपलब्ध कराने तथा शिक्षकों की कमी के संबंध में आवश्यक पत्राचार कर आयोग को अवगत कराने के निर्देश दिए गए।

जिले के विद्यार्थियों के लिए सुनहरा अवसर, नवोदय विद्यालय में 9वीं-11वीं में प्रवेश के आवेदन शुरू

30 सितंबर तक नि:शुल्क कर सकेंगे ऑनलाइन आवेदन, 10 अप्रैल 2027 को होगी लेटरल एंट्री चयन परीक्षा

एक सत बुलेटिन ➤ एमसीबी

मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के प्रतिभावान विद्यार्थियों के लिए जवाहर नवोदय विद्यालय में प्रवेश का सुनहरा अवसर है। पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय, केनापारा (बैकुंठपुर), जिला-कोरिया में शैक्षणिक सत्र 2027-28 के लिए कक्षा 9वीं एवं 11वीं में पार्श्व चयन परीक्षा (लेटरल एंट्री चयन परीक्षा- स्लश्वस्ञ्ज) के माध्यम से प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। वर्तमान में एमसीबी जिला जवाहर नवोदय विद्यालय, केनापारा के शैक्षणिक क्षेत्राधिकार के अंतर्गत आता है।

30 सितंबर तक आवेदन, प्रक्रिया पूरी तरह निःशुल्क

कक्षा 9वीं एवं 11वीं में प्रवेश के लिए इच्छुक पात्र विद्यार्थी 30 सितंबर 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन के लिए किसी प्रकार का शुल्क निर्धारित नहीं है। एमसीबी जिले के मनेन्द्रगढ़, खड़गवां एवं भरतपुर विकासखंड के वे

विद्यार्थी आवेदन कर सकते हैं, जो वर्तमान में किसी मान्यता प्राप्त विद्यालय में क्रमशः कक्षा 8वीं अथवा 10वीं में अध्ययनरत हैं। प्रवेश निर्धारित पात्रता एवं चयन परीक्षा के आधार पर होगा।

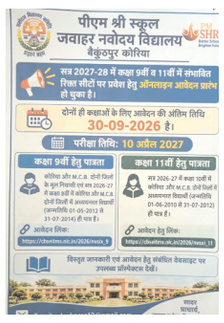

मोबाइल से घर बैठे भी कर सकते हैं आवेदन

विद्यार्थियों को आवेदन के लिए किसी विशेष स्थान पर जाने की आवश्यकता नहीं है। इंटरनेट सुविधा वाले कंप्यूटर, लैपटॉप अथवा मोबाइल के माध्यम से घर बैठे ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है। ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के विद्यार्थी नजदीकी कॉमन सर्विस सेंटर (ष्टस्ष्ट) अथवा लोकसेवा केंद्र की सहायता से भी आवेदन प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं।

9वीं और 11वीं के लिए अलग-अलग लिंक

आवेदन करने से पहले विद्यार्थी वेबसाइट पर उपलब्ध पात्रता शर्तों, आवश्यक दस्तावेजों एवं अन्य दिशा-निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ लें। जवाहर नवोदय विद्यालय से संबंधित जानकारी के लिए तथा कक्षा 11वीं के लिए

10 अप्रैल 2027 को होगी चयन परीक्षा

जवाहर नवोदय विद्यालय प्रशासन द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार कक्षा 9वीं एवं 11वीं में लेटरल एंट्री के लिए चयन परीक्षा 10 अप्रैल 2027 को आयोजित की जाएगी। विद्यार्थियों का चयन निर्धारित प्रवेश परीक्षा एवं लागू नियमों के अनुसार किया जाएगा। ऐसे में आवेदन करने वाले विद्यार्थियों को परीक्षा की तैयारी समय रहते शुरू करने की सलाह दी गई है।

तकनीकी समस्या पर सहायक केंद्र से मिलेगी मदद

ऑनलाइन आवेदन के दौरान किसी प्रकार की तकनीकी समस्या अथवा सहायता की आवश्यकता होने पर अभ्यर्थी जवाहर नवोदय विद्यालय, केनापारा, बैकुंठपुर में स्थापित सहायक केंद्र से संपर्क कर सकते हैं। विद्यालय प्रबंधन ने विद्यार्थियों एवं अभिभावकों से अपील की है कि अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना समय रहते आवेदन प्रक्रिया पूरी करें।

दीपक जलाने के अभियान पर पूर्व विधायक गुलाब कमरो का सरकार पर तीखा हमला

मनेंद्रगढ़/एमसीबी। छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस और उनके सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 'सेवा संकल्प अभियान÷ के तहत मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने 17 सितंबर की शाम 7 बजे प्रदेशवासियों से घरों में 'आशीर्वाद का दीया' जलाने की अपील की है। दीप प्रज्ज्वलन कार्यक्रम को लेकर पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने सरकार पर तीखा हमला बोला है।

पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने कहा कि ÷बातों में उजाला, जमीन पर अंधेरा!

दीपक की रोशनी में साय सरकार की नाकामी ही दिखाई देगी।÷ उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार दीपक के उजाले का प्रचार तो कर रही है, लेकिन प्रदेश की जनता जिन वास्तविक समस्याओं से जूझ रही है, उन पर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया जा रहा है।कमरो ने कहा कि प्रदेश में शिक्षा व्यवस्था बदहाल, स्वास्थ्य व्यवस्था बेहाल और युवा बेरोजगारी की समस्या से परेशान हैं। उन्होंने स्मार्ट मीटर को लेकर भी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि बिजली उपभोक्ताओं के बीच स्मार्ट मीटर को लेकर अनेक सवाल और शिकायतें हैं। इसके साथ ही उन्होंने हसदेव, तमनार, बस्तर और तारा क्षेत्र के जंगलों को लेकर पर्यावरणीय चिंताओं का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि ÷मुख्यमंत्री जी, प्रचार के दीये जलाने से पहले छत्तीसगढ़ के जल, जंगल, जमीन और आम जनता के जीवन में छाया अंधेरा दूर कीजिए।÷ कमरो ने सरकार की नीतियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि आम जनता से जुड़े बुनियादी मुद्दों का समाधान करना किसी भी सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए।

अंबिकापुर की बैठक में एमसीबी की सियासी दस्तक, भूपेश बघेल से हाफिज मेमन और स्वप्निल सिन्हा की मुलाकात

युवा कांग्रेस चुनाव के बीच पूर्व जिलाध्यक्ष और जिला प्रवक्ता की मुलाकात ने बढ़ाई संगठनात्मक चर्चाएं

एक सत बुलेटिन ➤ मनेन्द्रगढ़

अंबिकापुर में चल रहे कांग्रेस के संभाग स्तरीय प्रशिक्षण शिविर के बीच एमसीबी जिले से जुड़े कांग्रेस नेताओं की पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से मुलाकात चर्चा में आ गई है। एमसीबी जिला युवक कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष हाफिज मेमन और जिला प्रवक्ता एवं पार्षद स्वप्निल सिन्हा ने अंबिकापुर में दानिश रफीक के निवास पर पूर्व मुख्यमंत्री से मुलाकात की। इस दौरान युवा नेता शिवम सिंह राजपूत भी मौजूद रहे। मुलाकात ऐसे समय हुई है जब छत्तीसगढ़ युवा कांग्रेस का सांगठनिक चुनाव चल रहा है। ऐसे में

बैठक में संगठनात्मक गतिविधियों और चुनावी प्रक्रिया को लेकर हुई चर्चा को लेकर कांग्रेस के स्थानीय राजनीतिक हलकों में भी चर्चाएं तेज हो गई हैं।

तस्वीर सामने आने के बाद बढ़ी चर्चा

मुलाकात की तस्वीरें पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के आधिकारिक सोशल मीडिया माध्यम से सामने आने के बाद इस बैठक को लेकर कार्यकर्ताओं के बीच चर्चा और बढ़ गई। अंबिकापुर में कांग्रेस के संभाग स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में संगठन से जुड़े विषयों पर मंथन चल रहा है।

यूथ कांग्रेस चुनाव ने बढ़ाई सक्रियता

युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष पद के चुनाव को लेकर सत्येंद्र चेलक और शैलेन्द्र बंजारे के नाम प्रमुख रूप से चर्चा में रहे हैं। दोनों के नामांकन को लेकर सितंबर में चुनाव प्रक्रिया के दौरान विवाद और बाद में स्पष्टीकरण के बाद नामांकन बहाल होने की खबरें भी सामने आई थीं। ऐसे में मतदान प्रक्रिया के दौरान एमसीबी के पूर्व युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष हाफिज मेमन और वर्तमान जिला प्रवक्ता स्वप्निल सिन्हा की पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से मुलाकात को संगठनात्मक दृष्टि से अहम घटनाक्रम के रूप में देखा जा रहा है। हालांकि मुलाकात के आधार पर किसी उम्मीदवार के समर्थन या चुनावी परिणाम को लेकर निष्कर्ष निकालना फिलहाल जल्दबाजी होगी।

बुजुर्गों को मिला सम्मान और अपनत्व का नया ठिकाना, स्वास्थ्य मंत्री ने किया शुभारंभ'

एक सत बुलेटिन ➤ एमसीबी

आज एमसीबी जिले के नगर पंचायत झगराखांड के वार्ड क्रमांक 01 गेला झरिया दफाई, नॉर्थ जे.के.डी. में समाज कल्याण विभाग द्वारा अनुदानित संस्था ग्राम विकास समिति द्वारा संचालित उदय शांति वृद्धा आश्रम का लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री तथा छत्तीसगढ़ शासन के मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के कर-कमलों से फीता काटकर विधिवत शुभारंभ किया गया। 'सेवा संकल्प अभियान 2026' के अंतर्गत आयोजित इस गरिमामय कार्यक्रम में बुजुर्गों के सम्मान और उनके बेहतर जीवन के लिए संवेदनशील पहल की शुरुआत हुई।

इस अवसर पर कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े, प्रभारी उप संचालक समाज कल्याण सुश्री अंजना रोस बेक, नई लेदरी नगर पंचायत अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह राणा, झगराखांड नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रीमा यादव, समस्त पार्षद सहित जनप्रतिनिधि, संस्था के पदाधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

बुजुर्गों के लिए बना अपनत्व और सम्मान का नया आशियाना

उदय शांति वृद्धा आश्रम 25 सीटर है, जहां बुजुर्गों को सुरक्षित, सम्मानजनक और पारिवारिक वातावरण उपलब्ध कराने की पहल की गई है। आश्रम के शुभारंभ के अवसर पर प्रभारी उप संचालक समाज कल्याण सुश्री अंजना रोस बेक ने सभी अतिथियों एवं जनप्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए कहा कि जिले में इस नए वृद्धा आश्रम का शुभारंभ बुजुर्गों के लिए संवेदनशील और मानवीय पहल है। उन्होंने बताया कि यह 25 सीटर आश्रम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों की जनसेवा और आज से प्रारंभ 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत समर्पित किया गया है।

उन्होंने बताया कि 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम के अंतर्गत समाज कल्याण विभाग द्वारा जिले के विभिन्न वृद्धा आश्रमों में भी दीप प्रज्ज्वलित किए जाएंगे। इसका उद्देश्य बुजुर्गों के आशीर्वाद और उनके अनुभवों को समाज की सकारात्मक ऊर्जा से जोड़ना है।

कलेक्टर ने कहा- बुजुर्गों की हर जरूरत का रखा जाए ध्यान

कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े ने आश्रम के शुभारंभ पर उपस्थित सभी अतिथियों एवं जनप्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए कहा कि 25 सीटर वृद्धा आश्रम का प्रारंभ जिले के लिए महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने आश्रम में रहने वाले बुजुर्गों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।कलेक्टर ने कहा कि आश्रम में किसी भी प्रकार की समस्या आने पर जिला प्रशासन को तत्काल अवगत कराया जाए। उन्होंने बुजुर्गों के मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए उन्हें समय-समय पर गार्डन, पर्यटन स्थल और बाजार भ्रमण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने बुजुर्गों से कहा कि वे अपनी रुचि के अनुसार विभिन्न गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लें। सिलाई, खेलकूद, पढ़ना-लिखना अथवा अन्य रचनात्मक गतिविधियां करने के लिए उन्हें प्रोत्साहित किया जाए। समाज कल्याण विभाग को नियमित रूप से विभिन्न गतिविधियां आयोजित करने तथा योगाभ्यास पर विशेष ध्यान देने के निर्देश भी दिए गए।

सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से बनेगा परिवार जैसा माहौल

नई लेदरी नगर पंचायत अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह राणा ने वृद्धा आश्रम के शुभारंभ पर सभी सदस्यों को बधाई देते हुए कहा कि आश्रम में गार्डनिंग, पढ़ाई, सिलाई सहित विभिन्न गतिविधियां निरंतर संचालित होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इन गतिविधियों में उनका और स्थानीय जनप्रतिनिधियों का हरसंभव सहयोग रहेगा। उन्होंने सामाजिक संस्थाओं द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि समाज के सभी वर्गों को ऐसे मानवीय कार्यों में आगे आकर सहयोग करना चाहिए।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा- बुजुर्ग समाज की धरोहर, सेवा करना हम सभी का दायित्व

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने अपने उदबोधन में कहा कि आज का दिन पूरे देश के लिए विशेष है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लगातार 25 वर्षों से देश और समाज की सेवा की है। इसी भावना के साथ इस वर्ष 'सेवा संकल्प अभियान' के माध्यम से सेवा कार्यों को आगे बढ़ाया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि बुजुर्ग समाज की धरोहर हैं और उनकी सेवा एवं देखभाल करना हम सभी का नैतिक दायित्व है। उन्होंने समाज कल्याण विभाग एवं ग्राम विकास समिति द्वारा बुजुर्गों के लिए किए जा रहे इस प्रयास की सराहना की।

आरोपी के कब्जे से 52 नशीले इंजेक्शन, स्कूटी एवं मोबाइल सहित कुल 53,200 की सामग्री बरामद

नशीले इंजेक्शन की बिक्री करने वाला आरोपी गिरफ्तार

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

श्रीमती रत्ना सिंह , पुलिस अधीक्षक जिला एम.सी.बी. के निर्देशन में जिले में नशीले पदार्थों का सेवन एवं अवैध बिक्री करने वालों के विरुद्ध लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं नगर पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी चिरमिरी वासुदेव परगनिहा के नेतृत्व में थाना चिरमिरी पुलिस को नशीले इंजेक्शन की अवैध बिक्री के विरुद्ध कार्रवाई में सफलता प्राप्त हुई।

दिनांक 16.09.2026 को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि टिकरापारा बड़ा बाजार, चिरमिरी निवासी आशीष जायसवाल, पिता स्व. रामलखन जायसवाल, उम्र 38 वर्ष, अपने कब्जे में नशीले इंजेक्शन रखकर बिक्री करने के लिए ग्राहक की तलाश कर रहा है।

सूचना पर पुलिस टीम द्वारा कालीबाड़ी काली मंदिर के नीचे रोड पर घेराबंदी कर आरोपी आशीष जायसवाल को पकड़ा गया।

आरोपी के कब्जे में रखी जुपिटर स्कूटी क्रमांक ष्टत्र 16 ष्ट्ठ 3523 की तलाशी लेने पर स्कूटी की डिक्की में एक काले रंग की प्लास्टिक थैली में–

कुल 52 नशीले इंजेक्शन, कीमत लगभग 18,200/- बरामद किए गए। इसके अतिरिक्त आरोपी के कब्जे से जुपिटर स्कूटी कीमत ?25,000/- एवं घटना में प्रयुक्त मोबाइल फोन कीमत ?10,000/- बरामद किया गया।

इस प्रकार पुलिस द्वारा कुल लगभग 53,200/- की सामग्री जप्त कर विधिवत सीलबंद कर कब्जा पुलिस में लिया गया।

आरोपी आशीष जायसवाल के विरुद्ध थाना चिरमिरी में अपराध क्रमांक /2026, धारा 22(ष्ट) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विधिवत गिरफ्तार किया गया तथा दिनांक 17.09.2026 को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया।

उक्त कार्रवाई में थाना प्रभारी वासुदेव परगनिहा, सउनि चित्रभान सिंह, प्र.उ.निरीक्षक विजय सिंह गोंड, प्र.आर. 54 अशोक मलिक, आर. 133 सुरेश तिग्गा, सै.क्र. 36 प्रमोद, सै.क्र. 158 रामजी गुप्ता सहित थाना चिरमिरी पुलिस टीम का सराहनीय योगदान रहा।

न्यूज इन शॉर्ट

रा लोकभवन में मनाया गया विश्वकर्मा जयंती

रायपुर। लोकभवन में आज विश्वकर्मा जयंती धूमधाम से मनाई गई। राज्यपाल श्री रमेन डेका एवं प्रथम महिला श्रीमती रानी डेका काकोटी ने भगवान विश्वकर्मा का विधि विधान से पूजा अर्चना कर देश-प्रदेश के खुशहाली के लिए कामना की। उन्होंने सभी को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर राज्यपाल के सचिव डॉ. सी.आर. प्रसन्ना, विधिक सलाहकार श्रीमती सत्यभामा दुबे एवं लोक भवन के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ पशुधन विकास एवं प्रजनन नीति 2026 के निर्धारण के लिए हितधारक कार्यशाला आयोजित

रायपुर। छत्तीसगढ़ में पशुधन विकास एवं प्रजनन नीति 2026 के निर्धारण और रूपरेखा तैयार करने के संबंध में 16 सितंबर को राजधानी रायपुर स्थित न्यू सर्किट हाउस में एक महत्वपूर्ण हितधारक कार्यशाला संपन्न हुई। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य वर्तमान परिस्थितियों और डेयरी क्षेत्र की बदलती आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए राज्य की मौजूदा प्रजनन नीति के प्रावधानों की समीक्षा करना तथा विभिन्न विशेषज्ञों से बहुमूल्य सुझाव प्राप्त करना था। कार्यशाला में पशु प्रजनन क्षेत्र के देश-विदेश के विशेषज्ञों, वैज्ञानिकों, पशुचिकित्सा विभाग के अधिकारियों, दुग्ध क्षेत्र से जुड़ी संस्थाओं, गैर-सरकारी संगठनों और बड़ी संख्या में दुग्ध उत्पादक किसानों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से पशुचिकित्सा सेवाएं संचालक श्री चंद्रकांत वर्मा, राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (ह्षष्षक्च)वरिष्ठ महाप्रबंधक डॉ. आर.ओ. गुप्ता, ग्रुप हेड (पशु प्रजनन) डॉ. निलेश नाइक और प्रबंधक डॉ. स्वप्निल गज्जर, छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी दुग्ध महासंघ प्रबंध संचालक डॉ. एम. जयकृष्णा, पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, अंजोरा डॉ. कौसर परवीन (राज्य की स्थानीय नस्लों पर), डॉ. भूपेन्द्र देवांदन (केंद्रीय वीर्य संग्रहालय पर) और डॉ. विवेक अवस्थी (प्रस्तावित नीति के ड्राफ्ट पर), एनडीडीबी डेयरी सर्विसेज (ह्षष्र-) सहित विभिन्न सहयोगी संस्थाओं के प्रतिनिधि और अधिकारियों ने शिरकत की। कार्यशाला के दौरान उन्नत प्रजनन तकनीकऔर पशु प्रजनन नीति के निर्धारण पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। पशुओं की उत्पादकता और उनकी आनुवंशिक क्षमता में सुधार लाने के उपायों पर जोर दिया गया। राज्य के किसानों और पशुपालकों को स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण प्रजनन सेवाएं आसानी से उपलब्ध कराने पर मंथन हुआ। पशुधन क्षेत्र के सतत विकास और डेयरी व्यवसाय को मजबूती प्रदान करने से जुड़े विभिन्न तकनीकी पहलुओं पर विस्तृत चर्चा की गई।

छत्तीसगढ़ के नामचीन कवियों के साथ लखनऊ और जबलपुर के रचनाकार भी देंगे प्रस्तुति

रायपुर। संस्कृति विभाग, छत्तीसगढ़ शासन द्वारा सेवा संकल्प अभियान के तहत 18 सितंबर 2026 को रायपुर के महंत घासीदास स्मारक परिसर स्थित मुक्ताकाशी मंच में 'भव्य काव्य संध्या' का आयोजन किया जाएगा। शाम 7 बजे से आयोजित इस विशेष काव्य संध्या में छत्तीसगढ़ के नामचीन कविगण अपनी बहुचर्चित रचनाओं की प्रस्तुति देंगे। कार्यक्रम में देश के विभिन्न क्षेत्रों से आमंत्रि रचनाकार भी अपनी साहित्यिक प्रस्तुतियों से काव्य संध्या की गरिमा बढ़ाएंगे। लखनऊ की श्रृंगार रस की कवयित्री सुश्री सोनी मिश्रा अपनी रचनाओं की प्रस्तुति देंगी, वहीं जबलपुर के श्री विनोद नयन भी काव्य पाठ करेंगे। छत्तीसगढ़ के स्थानीय कवियों की सहभागिता के साथ यह आयोजन साहित्य और काव्य प्रेमियों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगा। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित यह काव्य संध्या साहित्य, संस्कृति और रचनात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम से जनभागीदारी को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक विशेष आयोजन है। मुक्ताकाशी मंच का वातावरण काव्य पाठ और साहित्यिक प्रस्तुतियों से सराबोर होगा, जहां श्रोताओं को विभिन्न रस और भावों से जुड़ी रचनाएं सुनने का अवसर मिलेगा।

संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। कार्यक्रम का आयोजन 18 सितंबर को शाम 7 बजे से महंत घासीदास स्मारक परिसर, रायपुर के मुक्ताकाशी मंच में किया जाएगा।

सेवा संकल्प अभियान का आगाज, एक माह तक होंगे जनसेवा और जनभागीदारी के विविध आयोजन

जिला चिकित्सालय सूरजपुर में रक्तदान शिविर का शुभारंभ, मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने रक्तदाताओं का बढ़ाया उत्साह

रक्तदान मानवता की सेवा का महत्वपूर्ण माध्यम, जरूरतमंद का जीवन बचाने आगे आएं नागरिक- मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े

एक सत बुलेटिन > रायपुर

सेवा, सहयोग और जनभागीदारी की भावना को सशक्त बनाने के उद्देश्य से प्रदेश में सेवा संकल्प अभियान का शुभारंभ हुआ। अभियान के अंतर्गत एक माह तक विभिन्न जनसेवा, जनजागरूकता एवं सामाजिक सरोकार से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसी क्रम में जिला चिकित्सालय सूरजपुर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने किया। उन्होंने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए स्वस्थ एवं पात्र नागरिकों से स्वैच्छिक रक्तदान के लिए आगे आने की अपील की।सेवा संकल्प अभियान का आगाज, एक माह तक होंगे जनसेवा और जनभागीदारी के विविध आयोजन मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने इस अवसर पर स्वयं स्वास्थ्य परीक्षण कराया और लोगों को नियमित स्वास्थ्य जांच के प्रति जागरूक किया। उन्होंने कहा कि रक्तदान मानवता की सेवा का महत्वपूर्ण माध्यम है। हमारे द्वारा किया गया रक्तदान किसी जरूरतमंद व्यक्ति के जीवन को बचाने में सहायक हो सकता है। आपातकालीन परिस्थितियों में कई बार समय पर रक्त उपलब्ध नहीं हो पाता, ऐसे में स्वैच्छिक रक्तदान के प्रति जागरूकता और जनभागीदारी बेहद आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सेवा संकल्प अभियान केवल कार्यक्रमों तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज में सेवा, सहयोग और मानवता की भावना को मजबूत करने का अवसर है। हमें छुआछूत और भेदभाव जैसी सामाजिक बुराइयों को दूर करते हुए आपसी सहयोग और भाईचारे की भावना को बढ़ावा देना चाहिए। उन्होंने नागरिकों से अभियान के अंतर्गत आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों में सक्रिय सहभागिता निभाने तथा 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम के तहत 17 सितम्बर की शाम अपने घर में दीप जलाने का आह्वान किया। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष सेवा, जनकल्याण और राष्ट्र निर्माण से जुड़े कार्यों के लिए महत्वपूर्ण रहे हैं। सेवा संकल्प अभियान इसी सेवा भावना को जनभागीदारी के माध्यम से व्यापक रूप देने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि जनसहयोग से सेवा और जनकल्याण के कार्यों को नई गति मिलती है। प्रेमनगर विधायक श्री भूलन सिंह मरावी ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित रक्तदान शिविर सेवा और मानवता की भावना को मजबूत करने वाला आयोजन है।

सेवा संकल्प अभियान : पीएम आवास से सोनहत के जगदीश का सपना हुआ साकार

सेवा संकल्प अभियान - पीएम आवास से सोनहत के जगदीश का सपना हुआ साकार

प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री का किया आभार

एक सत बुलेटिन > रायपुर

हर गरीब व्यक्ति का एक सपना होता है कि उसके पास एक पक्का आशियाना हो। यह ऐसी आस होती है जो व्यक्ति की उम्र के साथ-साथ बढ़ती जाती है। कोरिया जिले के वनांचल जनपद सोनहत अंतर्गत ग्राम पंचायत अकलासरई में रहने वाले श्री जगदीष के लिए उनका पक्का मकान से बेहतर शायद ही कोई समझ सकता हो। उम्र के आखिरी पड़ाव में उनकी पक्के मकान की चाहत को प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण ने पूरा कर दिया है।सोनहत ग्राम पंचायत में रहने वाले श्री जगदीश का आरंभिक जीवन अपने पैतृक कार्य में बीता। इस दौरान उनके तीन बच्चे हुए जिनमें दो पुत्र युवावस्था आते तक असमय काल के गाल में समा गए। इन कठिन परिस्थितियों में जूझते हुए श्री जगदीश के लिए पक्के मकान का सपना असंभव सा हो गया था। अपने परिवार के साथ वह कठिन परिस्थिति में कच्चे मकान में निवासरत थे जो हर मौसम में उनके लिए कष्ट का कारण बनता था।आवास ने बदली जीवन की राह

प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अंतर्गत श्री जगदीश को वर्ष 2024 में सूचीबद्ध किया गया। आवास निर्माण के लिए उन्हें आर्थिक सहायता प्राप्त हुई और उन्होंने परिश्रम करके अपना सपनों का आशियाना बनाया। इससे उनके परिवार को मनरेगा के तहत 90 दिवस की मजदूरी भी प्राप्त हुई और उस राशि का उपयोग इन्होंने अपने मकान निर्माण में किया।

उम्र के आखिरी पड़ाव में सुख

अपनी कठिन जीवन परिस्थितियों को साझा करते हुए श्री जगदीष ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण से बने पक्के मकान ने उनका वर्षों का सपना पूरा किया है। अब वह अपनी पत्नी बच्चे और बहू के साथ सुकून से जीवन व्यतीत कर पा रहे हैं। देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी होकर हार्दिक आभार व्यक्त किया।

बिलाईगढ़ में सेवा संकल्प की अनूठी मिसाल

एक सत बुलेटिन > रायपुर

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले में जनसेवा और संवेदना का एक अद्भुत दृश्य देखने को मिला। जिला चिकित्सालय सारंगढ़ सहित जिले के तमाम सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में विशाल स्वैच्छिक रक्तदान शिविरों का आयोजन किया गया, जिसमें जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, सामाजिक संगठनों और स्थानीय नागरिकों ने अभूतपूर्व उत्साह के साथ हिस्सा लिया। रक्तदाताओं ने स्वेच्छा से रक्तदान कर न केवल मानव सेवा का संदेश दिया, बल्कि जरूरतमंद मरीजों के जीवन को बचाने में अपनी महत्वपूर्ण भागीदारी भी सुनिश्चित की। जिला चिकित्सालय सारंगढ़ में आयोजित इस गरिमामयी शिविर का शुभारंभ जिला पंचायत अध्यक्ष संजय भूषण पांडे, कलेक्टर,जिला पंचायत सीईओ, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तथा सिविल सर्जन की विशेष उपस्थिति में हुआ। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए आम जनता को भी जीवनदान के इस पुनीत कार्य के लिए प्रेरित किया। जिला मुख्यालय के साथ-साथ जिले के सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में भी युवाओं और विभिन्न सामाजिक वर्गों का भारी उत्साह देखने को मिला, जिन्होंने बढ़-चढ़कर रक्तदान किया। ?शिविर के दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीम ने नागरिकों को नियमित रक्तदान के स्वास्थ्य लाभों और आपातकालीन परिस्थितियों में इसकी जीवनरक्षक उपयोगिता के प्रति जागरूक किया। नागरिकों से अपील की गई कि वे समय-समय पर स्वेच्छा से रक्तदान कर मरीजों की रक्षा में अपना योगदान दें। जिलेभर में दिखाई दी इस व्यापक जनभागीदारी ने यह साबित कर दिया कि सामूहिक प्रयास और सेवा भावना से किसी का जीवन संवारा जा सकता है, जिससे सेवा संकल्प अभियान के सेवा, संवेदना और जनसहभागिता% के मूल ध्येय को नई मजबूती मिली है।

ग्राफ्टेड बैंगन की खेती से गुलझर के किसान गौरव की बढ़ी आमदनी

सेवा संकल्प अभियान- ग्राफ्टेड बैंगन की खेती से गुलझर के किसान गौरव की बढ़ी आमदनी

रायपुर।प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की 25 वर्षों की सार्वजनिक सेवा यात्रा के दौरान कृषि क्षेत्र के विकास, किसानों की आय में वृद्धि तथा आधुनिक कृषि तकनीकों को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया गया है। इसी दिशा में केंद्र एवं राज्य शासन की योजनाओं से लाभान्वित होकर महासमुन्द जिले के किसान पारंपरिक खेती के साथ उद्यानिकी फसलों और आधुनिक तकनीकों को अपनाकर अपनी आमदनी बढ़ा रहे हैं। इसी क्रम में बागबाहरा विकासखण्ड के ग्राम गुलझर के कृषक श्री गौरव कुठारे ने ग्राफ्टेड बैंगन की खेती से बेहतर आमदनी अर्जित की है।कृषक श्री गौरव कुठारे बताते हैं कि वे पारंपरिक धान की खेती के साथ उद्यानिकी फसलों को अपनाकर अपने 1.60 हेक्टेयर प्रक्षेत्र में वर्षभर टमाटर, बैंगन, सेम एवं गेंदा जैसी फसलों की खेती कर रहे हैं। ड्रिप और मल्चिंग जैसी नवीन तकनीकों के उपयोग से उन्हें उत्पादन लागत नियंत्रित करने के साथ बेहतर उत्पादन प्राप्त हो रहा है।

श्री कुठारे ने बताया कि पूर्व में वे मुख्य रूप से धान की खेती करते थे। उद्यानिकी फसलों की खेती शुरू करने के बाद उन्हें उत्पादन एवं बाजार मूल्य के बेहतर अवसर मिले। वर्ष 2025-26 में राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के घटक ग्राफ्टेड बैंगन, टमाटर सीडलिंग प्रदर्शन के अंतर्गत उन्हें एक एकड़ में ग्राफ्टेड बैंगन फसल के लिए 30 हजार रुपए का अनुदान डीबीटी के माध्यम से प्राप्त हुआ।कृषक श्री गौरव बताते हैं कि ग्राफ्टेड बैंगन की खेती स20 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से किया गया।

पीएम आवास योजना:

पक्की छत मिलने से मुमताज के जीवन में आयी खुशहाली

एक सत बुलेटिन > रायपुर

हर परिवार जो दूसरे के खेतों में परिश्रम करके अपना जीवन यापन करता हो और उसके पास खुद की नाम मात्र के लिए थोड़ी सी भूमि भी हो वह एक पक्के मकान का केवल सपना ही देख सकता है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आवास योजना को लागू कर ऐसे कठिन जीवन संघर्ष वाले लाखों परिवारों के सपनों को भी आकार देने का कार्य किया है। कोरिया जिले के बैकुण्ठपुर जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम गदबदी में रहने वाली मुमताज बेगम प्रधानमंत्री आवास के पक्के मकान में रहकर अपना सुखमय पारिवारिक जीवन जी रही हैं। कभी कच्चे घर में रहने वाले इस परिवार के पास प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण से जुड़कर अब अपनी एक अलग सामाजिक पहचान बन गई है। यह परिवार अब अपने बच्चों के सुखद भविष्य के लिए मेहनत करने में जुट गया है।

कठिन जीवन से शुरुआत

दूसरे के खेतों में परिश्रम करके जीवन यापन करने वाले मुमताज और उनके पति हैदर जमाल के पास सपने तो थे लेकिन उन्हे पूरा करने का संसाधन नहीं था।

हुनर को मिला रोजगार, महिला स्व सहायता समूह बढ़ी आत्मनिर्भरता की ओर

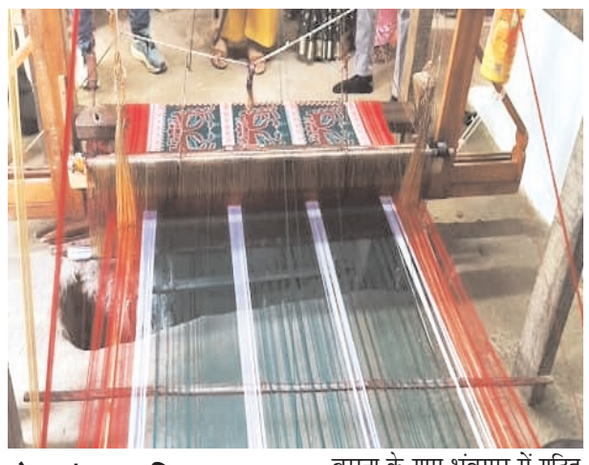

सेवा संकल्प अभियान - हुनर को मिला रोजगार, महिला स्व सहायता समूह बढ़ी आत्मनिर्भरता की ओर

स्थानीय बाजार से राष्ट्रीय सरस मेलों तक पहुंची भंवरपुर की महिलाएं

एक सत बुलेटिन > रायपुर

कभी घर की चारदीवारी तक सीमित रहकर परिवार की जिम्मेदारियां निभाने वाली ग्रामीण महिलाएं आज अपने हुनर और मेहनत से आत्मनिर्भरता की नई इबारत लिख रही हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की 25 वर्षों की सार्वजनिक सेवा यात्रा से प्रेरित आत्मनिर्भर भारत और महिला सशक्तिकरण की भावना को आगे बढ़ाते हुए छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' महिलाओं को संगठित कर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का सशक्त माध्यम बन रहा है। महासमुंद जिले के विकासखंड बसना के ग्राम भंवरपुर में गठित नया सवेरा महिला स्व सहायता समूह की महिलाओं ने सामूहिक प्रयास, हुनर और मेहनत के बल पर अपनी आजीविका को मजबूत करते हुए आत्मनिर्भरता की ऐसी बदलाव की कहानी पेश की है, जो गांव की अन्य महिलाओं के लिए भी नई उम्मीद और प्रेरणा बन रही है।समूह की महिलाओं ने पारंपरिक कौशल को आजीविका का माध्यम बनाते हुए कोषा साड़ी, शॉल, दुपट्टा, गमछा सहित विभिन्न उत्पाद तैयार किए। बिहान योजना से मिले सहयोग और बाजार उपलब्ध कराने की पहल ने महिलाओं के उत्पादों को स्थानीय स्तर से बाहर निकलकर देश के प्रमुख शहरों तक पहुंचने का अवसर दिया। आज समूह की महिलाएं अपने हुनर के माध्यम से परिवार की आय में सहयोग कर आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता के साथ आगे बढ़ रही हैं।छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान के अंतर्गत गठित नया सवेरा महिला स्व सहायता समूह के माध्यम से चक्रिय निधि का लाभ प्राप्त हुआ।

जीवन की शुरूआत करने का अवसर प्रदान कर दिया है

प्रधानमंत्री आवासः पक्के घर मिलने से गुलाबमनी का सपना हुआ साकार

एक सत बुलेटिन > रायपुर

जब किसी व्यक्ति अपने सपने को साकार करने के लिये रात-दिन मेहनत और संघर्ष में डूबे होते हैं, ऐसे में उनके सपना को साकार करने का जिम्मा सरकार या शासन को योजनाएं पूरी करती है तब उस योजनाओं के बारे में वह अपने तक नहीं रखते हैं, बल्कि उनके जैसे आस-पड़ोस में रहने वाले एव जरूरतमन्द परिवारों को भी बताने से नहीं चूकते। एक ऐसी योजना ने सलका निवासी गुलाबमनी के जीवन में बदलाव और सपने को साकार करने में प्रधानमंत्री आवास योजना ने महती भूमिका निभाया एक कठिन जीवन संघर्ष के दौरान जब उन्हे हर तरफ से बेसहारा होने का खतरा हुआ ठीक उसी समय उन्हे अपने जीवन में स्वयं का आषियाना मिल गया। उनकी बेहद कठिन परिस्थितियों में प्रधानमंत्री आवास योजना ने उन्हे नए सिरे से जीवन की शुरूआत करने का अवसर प्रदान कर दिया है। अब गुलाबमनी नई उमंग के साथ जीवन पथ पर आगे बढ़ने लगी हैं।

कठिन जीवन संघर्ष

दूसरे के खेतों में परिश्रम करके जीवन यापन करने वाले श्री धरम मारन की पुत्री गुलाबमनी की प्राथमिक शिक्षा उनके गांव में हुई और उनका विवाह हुआ। ससुराल पक्ष में अनबन होने से वह बेहद कठिन दौर में आ गई जब ससुराल पक्ष से उनका पूरी तरह से अलगाव हो गया। एक परित्यक्त जीवन में जूझ रही गुलाबमनी को ऐसे कठिन समय में उनकी बहन ने अपने घर पर रखा और उनका हौसला बनाए रखा। ग्राम पंचायत सलका में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत उन्हे गत वर्ष पक्के मकान की स्वीकृति प्राप्त हुई। कठिन समय में अपना एक मकान होना उनके लिए सबसे बड़ा संबल बन गया।

प्रधानमंत्री आवास बना सहारा

गुलाबमनी जब परिवार के साथ कठिन दौर से गुजर रही थीं तो उनके पास अपनी छत का ना होना सबसे बड़ी समस्या थी। ऐसे में फिर प्रधानमंत्री आवास योजना ने उनके लिए ऐसा कार्य कर दिया जिसे इन्होने सपने में भी नहीं सोचा था। विगत वित्तीय वर्ष में गुलाबमनी को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत चयनित किया गया। आवास योजना के तहत मिली आर्थिक मदद से उन्होंने परिश्रम से अपना एक सुंदर आषियाना बनाया और अब उनके पास खुद का मकान है। यही उनका सबसे बड़ा सहारा भी बन गया है।

सामाजिक पहचान है आवास

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की दूरदर्षी पहल, और साकारात्मक निर्णय ने सेवा संकल्प का जो गुलाबमनी के जीवन में बदलाव दिखा वह एक मिसाल है। गुलाबमनी कहती हैं कि जब ससुराल से अलगाव हुआ।

अर्जेंटीना में होगा विदाई मुकाबला

नई दिल्ली,लियोनेल मेसी के इंटरनेशनल करियर का आखिरी अध्याय अब तय हो गया है. अर्जेंटीना के महान कप्तान 6 अक्टूबर को अपनी नेशनल टीम के लिए आखिरी मुकाबला खेलेंगे. अर्जेंटीना फुटबॉल फेडरेशन ने इस मैच को मेसी की खास विदाई के तौर पर तय किया है.अर्जेंटीना की टीम 6 अक्टूबर को ब्यूनस आयर्स के एस्टाडियो मोनुमेंटल में बेनिन के खिलाफ फ्रेंडली मैच खेलेगी. यही मुकाबला मेसी के लिए अर्जेंटीना की जर्सी में उनका आखिरी मैच होगा.

अर्जेंटीना फुटबॉल फेडरेशन के अध्यक्ष क्लाउडियो तापिया ने वीडियो संदेश के जरिए इस फैसले की जानकारी दी. उन्होंने बताया कि नेशनल टीम के हेड कोच लियोनेल स्कालोनी से बातचीत के बाद मेसी को इस मुकाबले के लिए आमंत्रित किया गया है.

तापिया ने मेसी को दुनिया का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी, अर्जेंटीना की नेशनल टीम का प्रतीक और कप्तान बताते हुए कहा कि उन्हें 6 अक्टूबर को अपने देश में वह विदाई दी जाएगी जिसके वह हकदार हैं.मेसी ने इस निमंत्रण को स्वीकार कर लिया है. इसके बाद अर्जेंटीना फेडरेशन ने 2022 फीफा वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम के उन सभी खिलाड़ियों को भी मुकाबले के लिए आमंत्रित करने का फैसला किया है, जिन्होंने कतर में मेसी के साथ खिताब जीता था.वर्ल्ड कप के साथी भी परिवार के साथ होंगे मौजूद इस खास मुकाबले में 2022 वर्ल्ड कप विजेता टीम के खिलाड़ियों को उनके परिवार के साथ बुलाया जाएगा. यानी मेसी के इंटरनेशनल करियर की इस विदाई को सिर्फ एक फ्रेंडली मैच नहीं, बल्कि अर्जेंटीना के सबसे बड़े फुटबॉल सितारे के सम्मान के तौर पर पेश किया जाएगा.तापिया ने अर्जेंटीना के लोगों और नेशनल टीम के फैन्स से इस मैच को देखने की अपील करते हुए इसे दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का लास्ट टैंगो बताया.207 मैच, 125 गोल... मेसी का ऐतिहासिक सफर मेसी ने 31 अगस्त को इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास का ऐलान किया था. वह अर्जेंटीना के लिए सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले और सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी हैं.

मैदान पर जोरदार टक्कर देखने को मिली

स्पेनिश लीग के मुकाबले में एल्चे के खिलाफ रियल मैड्रिड के स्टार फॉरवर्ड किलियन एमबाप्पे और एल्चे के अर्जेंटीनी गोलकीपर मटियास डितुरो गेंद पर कब्जे के लिए आमने-सामने भिड़ते नजर आए। एल्चे के मार्तिनेज वालेरो स्टेडियम में हुए मुकाबले के दौरान दोनों खिलाड़ियों के बीच मैदान पर जोरदार टक्कर देखने को मिली।

सिराज-जडेजा की वापसी, नमन-आकिब की भी एंट्री

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की ह्लष्ठ्ठ सीरीज और 5 टी20 के लिए आज टीम इंडिया का ऐलान कर दिया गया है। 27 सितंबर से शुरू होने वाली इस सीरीज के तीन मुकाबले तिरुवनंतपुरम, गुवाहाटी और न्यू चंडीगढ़ में खेले जाएंगे। रोहित शर्मा ने 2027 ह्लष्ठ्ठ वर्ल्ड कप खेलने की इच्छा जाहिर की थी। अब वेस्टइंडीज सीरीज के लिए उनका चयन आगे की योजना को लेकर अहम संकेत दे रहा है। इसी तरह विराट कोहली को भी मौका मिला है। रोहित को अक्टूबर 2025 में ह्लष्ठ्ठ कप्तानी से हटाकर शुभमन गिल को जिम्मेदारी दी गई थी। हालांकि, इसके बाद भी रोहित ने ह्लष्ठ्ठ क्रिकेट से संन्यास नहीं लिया और अपनी उपलब्धता बनाए रखी। इंग्लैंड दौरे में कार्डिफ ह्लष्ठ्ठ में 26 रन की पारी और उससे पहले अफगानिस्तान के खिलाफ 16, 48 और 79 रन के स्कोर के बाद उनकी फॉर्म को लेकर चर्चा जरूर हुई थी। लेकिन लॉर्ड्स में उनकी पिछली ह्लष्ठ्ठ पारी शतक वाली रही थी।

हार्दिक की फिटनेस ने बिगाड़ा खेल

हार्दिक पंड्या की स्थिति चयनकर्ताओं के लिए सबसे अहम सवालों में से एक था। उन्होंने ढ्डक्र2026 के बाद से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेला है। जून में अफगानिस्तान के खिलाफ ह्लष्ठ्ठ सीरीज के लिए उनका चयन हुआ था, लेकिन पैर की चोट के कारण वह सीरीज से पहले ही बाहर हो गए थे। अब उन्हें वेस्टइंडीज के खिलाफ भी मौका नहीं मिला है।

भारतीय वनडे टीमः शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, ऋतुराज गायकवाड़, केएल राहुल [उपकप्तान], ध्रुव जुरेल, नितीश कुमार रेड्डी, रवींद्र जड़ेजा, कुलदीप यादव, प्रसिद्ध कृष्णा, गुरनूर बराड़, मोहम्मद सिराज, औकिब नबी, यशस्वी जयसवाल, नमन धीर।

भारत की टी20 टीमः श्रेयस अय्यर (कप्तान), अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी, ईशान किशन (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), तिलक वर्मा (उप-कप्तान), शिवम दुबे, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, नीतिश कुमार रेड्डी, अर्शदीप सिंह, प्रिंस यादव, मयंक यादव

वेस्टइंडीज के खिलाफ पहला ह्लष्ठ्ठ 27 सितंबर को तिरुवनंतपुरम, दूसरा 30 सितंबर को गुवाहाटी और तीसरा 3 अक्टूबर को न्यू चंडीगढ़ में खेला जाएगा। इसके बाद 6 अक्टूबर से पांच मैचों की ञ्20ढ्ढ सीरीज शुरू होगी।

पाकिस्तानी बल्लेबाज को पछाड़ चमके अभिषेक

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

आईसीसी रैंकिंग में अभिषेक शर्मा को जबरदस्त फायदा पहुंचा है. सीरीज के शुरुआती दोनों मैचों में बल्ले से दमदार प्रदर्शन करने वाले अभिषेक अब दूसरे नंबर पर आ गए हैं. उन्होंने पाकिस्तानी बल्लेबाज को पछाड़ यह कामयाबी हासिल की है.टीम इंडिया के विस्फोटक बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने आईसीसी टी20 रैंकिंग में एक बार फिर बड़ा धमाका किया है. अफगानिस्तान के खिलाफ खेली जा रही टी20 सीरीज में कमाल की बल्लेबाजी करते हुए अभिषेक ने दोनों ही मैचों में टीम को ठोस शुरुआत दिलाने में कामयाबी हासिल की.बल्ले से दमदार प्रदर्शन के दम पर अभिषेक ने आईसीसी रैंकिंग में भी लंबी छलांग लगाई है. उन्होंने पाकिस्तान

के बल्लेबाज साहिबजादा फरहान को पीछे छोड़ते हुए आईसीसी टी20 बल्लेबाजों की रैंकिंग में दूसरा स्थान हासिल कर लिया है. अब टी20 रैंकिंग के टॉप-2 स्थानों पर भारत का ही कब्जा है, क्योंकि नंबर-1 के सिंहासन पर पहले से ही विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन का राज बरकरार है. यानी दुनिया के टॉप दोनों टी20 बल्लेबाज अब भारत से ही ताल्लुक रखते हैं.

अभिषेक शर्मा ने अफगानिस्तान के खिलाफ शुरुआती दो मैचों में अपनी तूफानी पारियों से गेंदबाजों के होश उड़ा दिए थे. पहले मैच में उन्होंने महज़ 32 गेंदों पर ही धुआंधार 82 रन क कूट डाले थे, जिसकी बदौलत भारत ने आसानी से मैच जीता था.

इसके बाद दूसरे मुकाबले में भी उन्होंने महज 19 गेंदों पर 39 रनों की तेज-तर्रार पारी खेली. इसी शानदार फॉर्म का फायदा उन्हें रैंकिंग में मिला और उन्होंने साहिबजादा फरहान को पीछे धकेलते हुए दूसरा पायदान अपने नाम कर लिया.

गेंदबाजों ने भी दिखाया दम

सिर्फ बल्लेबाज ही नहीं, बल्कि भारतीय गेंदबाजों ने भी आईसीसी की ताजा रैंकिंग में अपनी धाक जमाई है. वरुण चक्रवर्ती दो पायदान चढ़कर सीधे 5वें नंबर पर पहुंच गए हैं. स्टार गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने लंबी छलांग लगाते हुए 7 स्थानों के फायदे के साथ टॉप-10 (10वें नंबर) में एंट्री कर ली है. इसके अलावा अर्शदीप सिंह (14वें) और अक्षर पटेल (27वें) ने भी रैंकिंग में अच्छी बढ़त बनाई है.

भारत ने अफगानिस्तान के खिलाफ शुरुआती दोनों मैच जीतकर पहले ही सीरीज पर 2-0 से कब्जा जमा लिया है. सीरीज का तीसरा और आखिरी मुकाबला कल यानी 17 सितंबर को दिल्ली में खेला जाएगा, जहां भारतीय टीम सीरीज में क्लीन स्वीप करने के इरादे से उतरेगी.

व्यापार

भारत ने वर्ष 2030 तक 50,000 करोड़ रुपए के रक्षा निर्यात का लक्ष्य रखा

वर्ष 2030 तक 50,000 करोड़ रुपए के रक्षा निर्यात का लक्ष्य रखा है।

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

भारत ने रक्षा निर्यात के क्षेत्र में एक नया कीर्तिमान बना दिया है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में रक्षा निर्यात में नया ऐतिहासिक रिकॉर्ड बना है। इस दौरान देश का कुल रक्षा निर्यात बढ़कर 38,424 करोड़ रुपए तक पहुंचा, जो पिछले वित्त वर्ष के मुकाबले 62.66 प्रतिशत की मजबूत बढ़ोतरी दिखाता है। गौरतलब है कि भारत ने वर्ष 2030 तक 50,000 करोड़ रुपए के रक्षा निर्यात का लक्ष्य रखा है। इसके साथ ही 3 लाख करोड़ रुपए का रक्षा उत्पादन भी स्वदेश में होगा। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि रक्षा निर्यात में 14,802 करोड़ रुपए की बड़ी बढ़ोतरी हुई है। यह बढ़ोतरी इसका संकेत है कि दुनिया भारत की स्वदेशी रक्षा क्षमताओं

और उन्नत मैन्युफैक्चरिंग पर भरोसा कर रही है। उन्होंने बताया कि इस उपलब्धि में रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम और निजी उद्योग दोनों की अहम भूमिका रही है। कुल निर्यात में भारतीय सार्वजनिक उपक्रमों का योगदान 54.84 प्रतिशत रहा, जबकि निजी क्षेत्र की हिस्सेदारी 45.16 प्रतिशत रही है। रक्षा मंत्री सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रेरणादायक नेतृत्व में भारत रक्षा निर्यात के क्षेत्र में एक नई सफलता की कहानी लिखी है।

रक्षा मंत्रालय ने वित्त वर्ष 2025-26 में एक और उपलब्धि हासिल की है। दरअसल मंत्रालय ने अपने पूंजीगत बजट का पूर्ण उपयोग किया है। यह बजट राशि 1.86 लाख करोड़ रुपए थी। इस बड़े पूंजीगत व्यय का 100 प्रतिशत उपयोग किया। यह लगातार दूसरा साल है जब रक्षा मंत्रालय ने अपना पूरा कैपिटल बजट इस्तेमाल किया है। इससे पहले भी वित्त वर्ष 2024-25 में कई वर्षों बाद पहली बार पूंजीगत बजट का पूरा उपयोग किया गया था।

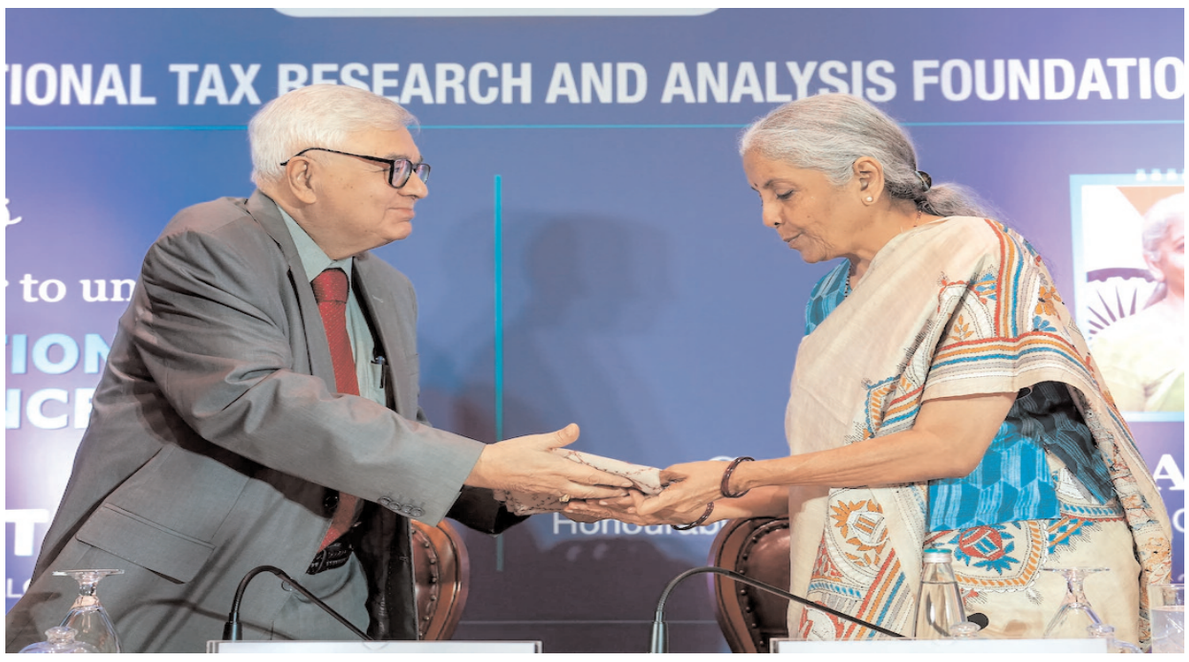

रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, शुरुआत में पूंजीगत व्यय के लिए 1.80 लाख करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया था, लेकिन पहली दो तिमाहियों के खर्च और ऑपरेशन सिंदूर के बाद सेनाओं की बढ़ी हुई ज1.86 लाख

बेंगलुरु में आयोजित 8वें अंतरराष्ट्रीय टैक्स सम्मेलन में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का खास अंदाज देखने को मिला। 'न्यू एज टैक्सेशन' विषय पर आयोजित सम्मेलन के दौरान इंटरनेशनल टैक्स रिसर्च एंड एनालिसिस फाउंडेशन (आईटीआरएएफ) के संस्थापक और चेयरमैन पार्थसारथी शोम ने उन्हें सम्मानित किया।

- शादी-विवाह के मौसम की बढ़ती मांग, डॉलर के मुकाबले रुपए की कमजोरी से कीमतें बढ़ीं

बीते सप्ताह खाद्य तेल-तिलहन के दाम में मजबूती, सरसों तेल सोयाबीन से सस्ता

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

देश के तेल-तिलहन बाजार में बीते सप्ताह अधिकांश तेल-तिलहन के दाम मजबूती के साथ बंद हुए। शादी-विवाह के मौसम की बढ़ती मांग, डॉलर के मुकाबले रुपये की कमजोरी और विदेशों में तेल की ऊंची कीमतों ने इस तेजी में योगदान किया। हरियाणा में पहली बार सरसों तेल का दाम सोयाबीन तेल से कम रहा (सरसों 148.25 प्र?ति ?किलो, सोयाबीन 165 रुपए प्र?ति ?किलो) बिना प्रसंस्करण वाला सरसों तेल सस्ता होने की वजह से इसकी मांग बढ़ी। आवक घटकर 6.75 लाख बोरी रह गई, जिससे दाम मजबूत बने। मूंगफली तेल की कीमत ऊंची होने के कारण स्थिर रही, जबकि बिनौला तेल लगभग 27 रुपए प्र?ति ?किलो सस्ता होने से उपभोक्ताओं का रुझान बढ़ा। कपास नरमा की आवक 42,000 गांठ रह जाने से भी बिनौला तेल के दाम में सुधार हुआ। सोयाबीन डीगम तेल के अंतरराष्ट्रीय दाम बढ़कर 1,360-65 डालर प्र?ति टन हुए। पाम और पामोलीन तेल के दाम भी मजबूत रहे। विशेषज्ञों का कहना है कि देशी तेल-तिलहन उत्पादन बढ़ाना जरूरी है ताकि आयात पर निर्भरता कम हो और घरेलू बाजार स्थिर रहे। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 75 रुपये के सुधार के साथ 7,025-7,050 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। दादरी मंडी में बिकने वाला सरसों तेल 225 रुपये के सुधार के साथ 14,825 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 30-30 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 2,460-2,560 रुपये और 2,460-2,605 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ।समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज के थोक भाव क्रमशः 25-25 रुपये की तेजी के साथ क्रमशः 5,725-5,775 रुपये और 5,325-5,475 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए।इसी प्रकार, दिल्ली में सोयाबीन तेल 150 रुपये के सुधार के साथ 16,450 रुपये प्रति क्विंटल, इंदौर में सोयाबीन तेल 150 रुपये के सुधार के साथ 15,850 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल का दाम 100 रुपये के सुधार के साथ 13,300 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।मूंगफली तिलहन का दाम 7,250-7,725 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 17,550 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 2,770-3,070 रुपये प्रति टिन पर स्थिर रुख के साथ बंद हुए। समीक्षाधीन सप्ताह में कारोबारी धारणा में आम मजबूती के रुख के अनुरूप, सीपीओ तेल का दाम 25 रुपये के मामूली सुधार के साथ 13,625 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलीन दिल्ली का भाव 25 रुपये सुधरकर 15,425 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव भी 25 रुपये की बढ़ोतरी के साथ 14,375 रुपये प्रति क्विंटल के साथ 14,850 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

ईरान युद्ध और घरेलू आंकड़ों से तय होगी शेयर बाजार की दिशा

- वैश्विक और क्षेत्रीय अनिश्चितताओं के चलते बाजार में उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है

एजेंसी ➤ मुंबई

घरेलू शेयर बाजारों में पिछले कुछ सप्ताह से जारी गिरावट के बीच आने वाले सप्ताह में एक बार फिर निवेशकों की नजर ईरान युद्ध की स्थिति पर रहेगी। इसके अलावा इस सप्ताह में कुछ प्रमुख आंकड़े भी आने वाले हैं। सोमवार 30 मार्च को फरवरी के औद्योगिक उत्पादन के आंकड़े जारी होने हैं। पश्चिम एशिया संकट शुरू होने के बाद की तस्वीर बताने वाला मार्च का पहला वृहत आंकड़ा विनिर्माण पीएमआई का होगा जो 2 अप्रैल को जारी होगा। वाहनों की बिक्री के कंपनियों के अलग-अलग आंकड़े भी 1 और 2 अप्रैल को जारी किये जायेंगे। इन सभी कारकों का असर शेयर बाजारों पर दिखेगा। बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजार में गिरावट का सिलसिला जारी रहा। पश्चिम एशिया में ईरान युद्ध के बढ़ते तनाव और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं ने निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया। इस सप्ताह में निवेशकों की निगाहें ईरान संकट पर रहेंगी। विशेषज्ञों का कहना है कि वैश्विक और क्षेत्रीय अनिश्चितताओं के चलते बाजार में उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है। बीएसई का सेंसेक्स सप्ताह के अंत में 73,583.22 अंक पर बंद हुआ, जो 949.74 अंक यानी 1.27 प्रतिशत की गिरावट दर्शाता है। इसी तरह, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक 22,819.60 अंक पर बंद हुआ, जो 294.90 अंक या 1.27 प्रतिशत कम है। मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों पर भी दबाव देखा गया। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 1.13 प्रतिशत गिरकर बंद हुआ जबकि स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.63 प्रतिशत घटा। सेंसेक्स की 30 प्रमुख कंपनियों में से 20 के शेयरों में साप्ताहिक गिरावट दर्ज की गई। सबसे अधिक गिरावट बीईएल के शेयर में रही, जो 5 प्रतिशत तक लुढ़क गया। इसके अलावा रिलायंस इंडस्ट्रीज 4.69 फीसदी, ट्रेंट 4.64 फीसदी, भारतीय स्टेट बैंक 3.62 फीसदी, एचडीएफसी बैंक 3.10 फीसदी और टाइटन 3.09 प्रतिशत टूटे।

हालांकि, कुछ कंपनियों ने मजबूती दिखाई।

यूपीआई 'मुफ्त' नहीं

प्रधानमंत्री मोदी जो ढिंढोरा पीट रहे थे और देश की जनता को आश्वस्त कर रहे थे, उसका ढोल फट चुका है और सच सामने है। सरकार ने भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) के जरिए ऐलान कराया है कि अब डिजिटल भुगतान (यूपीआई) 'मुफ्त' नहीं होगा, बल्कि प्रत्यक्ष-परोक्ष रूप से आम ग्राहक, आम उपभोक्ता, आम आदमी की जेब कटेगी। अब यह यथार्थ भी सामने आ सकता है कि नकदी लेन-देन की ओर वापसी होने लगे! आम आदमी को यूपीआई लेन-देन की लत लग चुकी थी। उसे यह व्यवस्था आसान और सहज लगती थी। वह औसतन हर भुगतान यूपीआई के जरिए ही करने लगा था। फुटपाथ के पास रेहड़ी-पटरी, चायवाला अथवा टोकरी में फल बेचने वाली निरक्षर-सी महिला 'स्कैन' के जरिए डिजिटल भुगतान स्वीकार करने लगे थे। इसकी लोकप्रियता, व्यापकता का पुख्ता प्रमाण यही है कि यूपीआई से साल भर में 314.23 लाख करोड़ रुपए का लेन-देन किया गया। यूपीआई इस्तेमाल करने वालों की संख्या 24,162 करोड़ बताई गई है। यूपीआई के जरिए रोजाना औसतन 66 करोड़ बार लेन-देन होता है। करीब 67 फीसदी भुगतान 2000 रुपए से अधिक का किया गया, बेशक सरकार ऐसा करने वालों की संख्या मात्र 4 फीसदी और 2000 रुपए से कम वाले 96 फीसदी बता रही है। दरअसल इन 4 फीसदी का मूल्य ही 67 फीसदी है। बेशक भारत सरकार की अधिसूचना में उल्लेख है कि व्यक्ति से व्यक्ति अथवा 2000 रुपए तक का लेन-देन करने वालों पर कोई शुल्क नहीं लगेगा। शुल्क वैसे भी दुकानदार, व्यापारी, यानी मर्चेन्ट को भरना होगा, लिहाजा इस शुल्क को 'एमडीआर' का नाम दिया गया है। यह बड़ी हास्यास्पद और बेवकूफ बनाने वाली व्यवस्था है।किराने, दूध-दही का दुकानदार या दवाओं की दुकान अथवा टीवी, फ्रिज, मोबाइल के शोरूम, अंततः, यह 'हर्जाना' क्यों भुगतेंगे? बैंक कितनी निगरानी रख सकते हैं? वे किसी को भुगतान की प्रणाली के लिए बाध्य नहीं कर सकते। एनपीसीआई ने 2000 रुपए से अधिक के यूपीआई भुगतान पर 0.4 फीसदी और 75,000 रुपए या अधिक के बड़े लेन-देन के लिए अधिकतम शुल्क 300 रुपए तय किया है।

(एक नजर)

शनि चाल बदलते ही बनाएंगे ये शुभ राजयोग!

11 दिसंबर को शनि देव अपनी वक्री चाल समाप्त करके मार्गी होने जा रहे हैं. शनि की सीधी चाल से धन लक्ष्मी राजयोग का अत्यंत दुर्लभ और शुभ निर्माण हो रहा है. ज्योतिष के अनुसार, इस राजयोग के प्रभाव से कई राशियों के जीवन से आर्थिक तंगी, मानसिक तनाव और काम में आ रही बाधाएं हमेशा के लिए समाप्त होंगी. क्या होता है शनि का मार्गी होना? जब कोई ग्रह पीछे की ओर चलता हुआ प्रतीत होता है, तो उसे वक्री कहा जाता है. इसके विपरीत, जब वह वक्री अवस्था समाप्त करके वापस अपनी सामान्य और सीधी दिशा में चलने लगता है, तो ज्योतिष की भाषा में उसे मागी होना कहते हैं. आइए जानते हैं वे कौन सी भाग्यशाली राशियां हैं जिन्हें शनि के मार्गी होने से भरपूर धन-दौलत और सफलता मिलने वाली है. वृषभ राशि वृषभ राशि के जातकों के लिए शनि का मार्गी होना भाग्य के दरवाजे खोलने जैसा रहेगा. धन लाभ- लंबे समय से अटका हुआ पैसा जीवन में स्थिरता और तरक्की लेकर आएगी।

विचार

एआई क्षेत्र में नई उड़ान भरने को तैयार छत्तीसगढ़

धनंजय राठौर

सयुक्त संचालक, जनसंपर्क

खेती-किसानी से लेकर स्वास्थ्य, शिक्षा और प्रशासन तक हर क्षेत्र में एआई के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए राज्य में बड़े पैमाने पर तैयारियां शुरू हो गई हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और जनसेवा के विभिन्न क्षेत्रों में एआई के प्रभावी उपयोग से रोजगार और नवाचार के नए अवसर सृजित करते हुए हम विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के लिए पूरी तरह संकल्पित हैं।भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने 500 करोड़ रुपये के मुख्यमंत्री एआई मिशन की शुरुआत की है।

दुनियाभर में तेजी से बढ़ रहे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के दौर में छत्तीसगढ़ भी अब एक नई छलांग लगाने की तैयारी में है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार एआई को विकास, रोजगार और सुशासन के नए अवसरों से जोड़ने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। खेती-किसानी से लेकर स्वास्थ्य, शिक्षा और प्रशासन तक हर क्षेत्र में एआई के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए राज्य में बड़े पैमाने पर तैयारियां शुरू हो गई हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और जनसेवा के विभिन्न क्षेत्रों में एआई के प्रभावी उपयोग से रोजगार और नवाचार के नए अवसर सृजित करते हुए हम विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के लिए पूरी तरह संकल्पित हैं।भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने 500 करोड़ रुपये के मुख्यमंत्री एआई मिशन की शुरुआत की है। इस मिशन का मुख्य उद्देश्य छत्तीसगढ़ को केवल एआई तकनीक अपनाने वाला राज्य नहीं, बल्कि इसके उपयोग और नवाचार में सिरमौर बनाना है। इस मिशन के तहत प्रदेश में 100 एआई लैब और 5 सेंटर ऑफ एक्सीलेंस विकसित किए जाएंगे। योजना के अंतर्गत लगभग 6 लाख विद्यार्थियों और डेढ़ लाख शासकीय अधिकारी- कर्मचारियों को एआई के उपयोग से जोड़ा जाएगा। साथ ही, शासन की 50 से अधिक सेवाओं को एआई के जरिए अधिक प्रभावी बनाया जाएगा। युवाओं को जॉब सीकर (नौकरी तलाशने वाला) की बजाय जॉब क्रिएटर (नौकरी पैदा करने वाला) बनाने के लिए मशीन लर्निंग और डेटा साइंस का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।इस मिशन का दायरा केवल आईटी तक सीमित नहीं है, बल्कि इसे धरातल पर आम जनता के जीवन को आसान बनाने के लिए उतारा जा रहा है। कृषि मौसम, फसल, कीट और रोगों के आंकड़ों के विश्लेषण से किसानों को समय पर सटीक सलाह मिल सकेगी। एआई आधारित तकनीक से जांच, रोग

पहचान और स्वास्थ्य संसाधनों के प्रबंधन में सुधार होगा। सरकारी पोर्टलों (जैसे सेवा सेतु) के विस्तार और एआई के उपयोग से योजनाओं की मॉनिटरिंग और नागरिक सेवाओं को सुगम बनाया जा रहा है। वहीं उद्योगों में उत्पादकता और ऊर्जा दक्षता बढ़ेगी। कारखानों में रोबोटिक्स और मशीन लर्निंग के उपयोग से उत्पादन की गति बढ़ती है और त्रुटियाँ कम होती हैं।ढ्ढ सेंसर मशीनों की स्थिति पर लगातार नजर रखते हैं और खराबी आने से पहले ही चेतावनी दे देते हैं, जिससे लागत बचती है। उद्योगों में व्यक्तिगत प्राथमिकताओं को समझने और 24ङ्ग7 सहायता प्रदान करने के लिए-ढ्ढ संचालित टूल का उपयोग किया जाता है।

नवा रायपुर को आईटी, एआई और डाटा सेंटर के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। यहाँ लगभग 1 हजार करोड़ रुपये के निवेश से एआई आधारित डाटा सेंटर और एआई एसईजेड विकसित किया जा रहा है। इसके अलावा, नवा रायपुर में करीब 200 करोड़ रुपये की लागत से नेशनल स्किल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट की स्थापना का निर्णय लिया गया है। एनआईटी रायपुर और ट्रिपल आईटी (ढ्ढढ्ढढ्ढञ्ज) नवा रायपुर में एआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के माध्यम से खनन, इस्पात, स्वास्थ्य, कृषि और स्मार्ट गवर्नेंस जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान और स्टार्टअप को बढ़ावा मिल रहा है, जिससे छत्तीसगढ़ के युवाओं के लिए उच्च तकनीक आधारित रोजगार के नए द्वार खुल रहे हैं।

नवा रायपुर में देश का पहला एआइ आधारित डेटा सेंटर

नवा रायपुर अटल नगर में देश का पहला एआइ आधारित डेटा सेंटर सेक्टर-22 में 13.5 एकड़ में विकसित हो रहा यह प्रोजेक्ट न केवल प्रदेश की पहचान को नई ऊंचाई देगा, बल्कि आम जनता के लिए भी बड़े बदलाव लेकर आएगा। प्रदेश के युवाओं को बेहतर करियर के लिए बड़े शहरों की ओर पलायन नहीं करना पड़ेगा। इसके साथ ही एआइ तकनीक का फायदा किसानों, विद्यार्थियों और आम नागरिकों को भी मिलेगा। डिजिटल सेवाएं मजबूत होने से शिक्षा, स्वास्थ्य और सरकारी योजनाओं का लाभ दूरदराज के क्षेत्रों तक आसानी से पहुंच सकेगा।

विचार

ब्रिक्स कूटनीति से रक्षा सहयोग तक

ऋचीक मिश्रा

लेखक

मीटिंग नई दिल्ली में ब्रिक्स समिट के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वियतनाम के प्रधानमंत्री ले मिन्ह हंग के साथ द्विपक्षीय मीटिंग के ठीक बाद हुई।दोनों मीटिंग का एक साथ होना जरूरी है- द्विपक्षीय जहां लीडर्स ने रिश्ते के लिए बड़ी राजनीतिक दिशा तय की, वहीं रक्षा वार्ता का मकसद उस रणनीतिक इरादे को इंडो-पैसिफिक में बढ़ती भू-राजनैतिक अनिश्चितता के समय में गहरे सैन्य, समुद्री, तकनीकी और औद्योगिक सहयोग में बदलना है।रक्षा मंत्रालय की तरफ से जारी एक बयान के मुताबिक, सिंह और टुओंग थांग के बीच मीटिंग में दोस्ती के रिश्ते को मजबूत करने, क्षेत्रीय सुरक्षा को आगे बढ़ाने और द्विपक्षीय संवर्धित व्यापक रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने पर फोकस किया गया

भारत-वियतनाम उन्नत व्यापक रणनीतिक साझेदारी को रविवार को रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह और वियतनाम के राष्ट्रीय रक्षा उपमंत्री सीनियर लेफ्टिनेंटजनरल गुयेन टुओंग थांग के बीच हुई मीटिंग से नई रफ़्तार मिली है। यह मीटिंग नई दिल्ली में ब्रिक्स समिट के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वियतनाम के प्रधानमंत्री ले मिन्ह हंग के साथ द्विपक्षीय मीटिंग के ठीक बाद हुई।दोनों मीटिंग का एक साथ होना जरूरी है- द्विपक्षीय जहां लीडर्स ने रिश्ते के लिए बड़ी राजनीतिक दिशा तय की, वहीं रक्षा वार्ता का मकसद उस रणनीतिक इरादे को इंडो-पैसिफिक में बढ़ती भू-राजनैतिक अनिश्चितता के समय में गहरे सैन्य, समुद्री, तकनीकी और औद्योगिक सहयोग में बदलना है।रक्षा मंत्रालय की तरफ से जारी एक बयान के मुताबिक, सिंह और टुओंग थांग के बीच मीटिंग में दोस्ती के रिश्ते को मजबूत करने, क्षेत्रीय सुरक्षा को आगे बढ़ाने और द्विपक्षीय संवर्धित व्यापक रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने पर फोकस किया गया।मंत्रालय ने कहा, ÷चर्चा संयुक्त पहल को तेज करने, प्रौद्योगिकी साझाकरण और रक्षा औद्योगिक सहयोग पर केंद्रित थी। दोनों पक्षों ने शांतिपूर्ण, स्थिर और नियम-आधारित क्षेत्रीय सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए समुद्री और रक्षा संबंधों को बढ़ाने के अपने साझा वादे को फिर से दोहराया।बयान के अनुसार, दोनों पक्षों ने जटिल सुरक्षा गतिशीलता से निपटने के लिए बहुपक्षीय मंचों में करीबी तालमेल की अहमियत पर ज़ोर दिया। खास तौर पर, उन्होंने दक्षिण पूर्वी एशियाई राष्ट्रों का संगठन और रक्षा मंत्रियों की बैठक प्लस के तहत सक्रिय भागीदारी के महत्व पर जोर दिया।मंत्रालय ने आगे कहा, ÷दोनों पक्षों ने आसियान के नेतृत्व वाले सिस्टम के जरिए व्यावहारिक रक्षा सहयोग बढ़ाने के अपने साझा कमिटमेंट को फिर से पक्का किया, और कहा कि एडीएमएम-प्लस विशेषज्ञों के कार्य समूह जैसे मिलकर काम करने वाले प्लेटफ़ॉर्म, इंडो-पैसिफिक में क्षेत्रीय स्थिरता बनाए रखने और सामूहिक सुरक्षा आर्किटेक्चर बनाने के लिए बहुत ज़रूरी हैं।शनिवार को प्रधानमंत्री

मोदी ने ब्रिक्स समिट के दौरान अपने वियतनामी समकक्ष हंग के साथ मीटिंग की। विदेश मंत्रालय ने एक प्रेस रिलीज में कहा, ÷इस मीटिंग में दोनों नेताओं को आपसी रिश्तों में हुई तरक्की को रिव्यू करने का मौका मिला, जिसे मई 2026 में वियतनाम की कम्युनिस्ट पार्टी के जनरल सेक्रेटरी और सोशलिस्ट रिपब्लिक ऑफ़ वियतनाम के अध्यक्ष टो लैम के भारत दौरे के दौरान एक एडवांस व्यापक रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाया गया था।

÷दोनों नेताओं ने आपसी महत्व के अलग-अलग क्षेत्रीय और ग्लोबल मुद्दों पर भी अपने विचार शेयर किए, और अपनी साझेदारी को और मज़बूत करने का वादा दोहराया।÷ भारत और वियतनाम के बीच पुरानी दोस्ती है, जो साझा सभ्यतागत विरासत, आपसी विश्वास और समझ पर आधारित है।वियतनाम भारत की एक्ट ईस्ट पॉलिसी का एक अहम पिलर है और साउथ-ईस्ट एशिया के साथ भारत के बड़े जुड़ाव में एक अहम साझेदार है। वियतनाम को नई दिल्ली पहले से ही एक्ट ईस्ट पॉलिसी, विजन महासागर (क्षेत्रों में सुरक्षा और विकास के लिए पारस्परिक और समग्र उन्नति) और भारत की व्यापक भारत-प्रशांत भागीदारी के प्रमुख स्तंभ के रूप में मानता है।मई 2026 के संयुक्त वक्तव्य में साफ तौर पर रक्षा और सुरक्षा सहयोग को सुरक्षा सहयोग का एक अहम हिस्सा बताया गया और इसमें रक्षा-नीति वार्ता, एक्सरसाइज, स्टाफ की बातचीत, जॉइंट रिसर्च और सह-निर्माण, नौसेना और वायु सेना के साथ बातचीत, जानकारी साझाकरण, जल विज्ञान, क्षमता निर्माण और रक्षा-औद्योगिक सहयोग को बढ़ाने की बात कही गई।यह बात अपने आप में महत्वपूर्ण है कि भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता के दौरान दोनों प्रधानमंत्रियों की मुलाकात हुई। वियतनाम ने नई दिल्ली समिट में ब्रिक्स साझेदार देश के तौर पर हिस्सा लिया, जिससे हनोई को बड़े ग्रुप और खासकर भारत के साथ जुड़ने का एक नया मौका मिला।भारत के लिए, इससे द्विपक्षीय संबंध को एक और बहुपक्षीय आयाम मिलता है। नई दिल्ली अपनी ब्रिक्स चेयरपर्सनशिप का इस्तेमाल सिर्फ ग्रुप के अंदर बातचीत के लिए ही नहीं, बल्कि ग्लोबल साउथ और खास इंडो-पैसिफिक पार्टनर्स के साथ अपने जुड़ाव को बढ़ाने के लिए भी कर रही है।

विचार

रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता का नया दौर

डॉ. सुशील द्विवेदी,

लेखक

रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने का भारत का प्रयास अब एक अधिक चुनौतीपूर्ण दौर में प्रवेश कर रहा है। अब, स्वदेशी तकनीकों को बड़े पैमाने पर हथियारों, प्रणालियों और पुर्जों में बदलने के लिए एक मजबूत औद्योगिक ढांचा तैयार किया जा रहा है।त्रालय ने कहा, ÷उद्योग जगत तक पहुंच बढ़ाने और जमीनी स्तर पर भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए सोसाइटी ऑफ इंडियन डिफेंस मैन्युफैक्चरर्स और लघु उद्योग भारती के साथ रणनीतिक समझौता ज्ञापनों का भी औपचारिक रूप से आदान-प्रदान किया गया

बैठक को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा,` पास ज्ञान और तकनीक है, उद्योग जगत के पास बड़े पैमाने पर उत्पादन करने की क्षमता है, स्टार्टअप्स अपने साथ नयापन और फुर्ती लेकर आते हैं, और युवाओं के पास एक नए भारत का सपना है। जब ये चारों ताकतें एक साथ मिलेंगी और आगे बढ़ेंगी, तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होगा।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि विकसित भारत का लक्ष्य केवल एक आर्थिक रूप से मजबूत देश बनाना नहीं है, बल्कि इसे तकनीकी रूप से आत्मनिर्भर, सामाजिक

रूप से समावेशी, पर्यावरण के अनुकूल और रणनीतिक रूप से पूरी तरह सुरक्षित बनाना भी है।विमर्श 2026 की पहलों का महत्व केवल डीआरडीओ की तकनीकों तक पहुंच को आसान बनाने से कहीं बढ़कर है। अगर समग्र रूप से देखा जाए, तो ये पहलें सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (डीप-टेक स्टार्टअप्स, शैक्षणिक संस्थानों और स्थापित निर्माताओं को देश के मुख्य रक्षा अनुसंधान एवं विकास संस्थान के करीब लाकर भारत के रक्षा-औद्योगिक ढांचे को फिर से व्यवस्थित करने का एक प्रयास हैं।

इसका बड़ा उद्देश्य भारतीय रक्षा विनिर्माण को बड़े पैमाने पर केवल प्लेटफॉर्म और उत्पादन-आधारित मॉडल से हटाकर एक एकीकृत अनुसंधान-से-उत्पादन इकोसिस्टम में बदलना है।

भारत के रक्षा उद्योग के सामने पारंपरिक रूप से सबसे बड़ी बाधाओं में से एक तकनीक के विकास और बड़े पैमाने पर औद्योगिक स्तर पर उसे अपनाने के बीच का अंतर रहा है। छ्ठ्रक्रष्ठह्र भले ही कोई मिसाइल, इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम, सेंसर या कोई दूसरी एडवांस्ड टेक्नोलॉजी विकसित कर ले, लेकिन उस टेक्नोलॉजी को भरोसेमंद, किफायती और बड़े पैमाने पर उत्पादन करने की क्षमता में बदलने के लिए औद्योगिक क्षमता, खास टेस्टिंग, कुशल मैनपावर और लगातार निवेश की ज़रूरत होती है।प्रौद्योगिकी हस्तांतरण से लेकर प्रौद्योगिकी को आत्मसात करने तक, भारत के रक्षा उद्योग के सामने सबसे बड़ी बाधाओं में से एक तकनीक के विकास और बड़े पैमाने पर औद्योगिक स्तर पर उसे अपनाने के बीच की खाई रही है।द्वारा उन्नत तकनीक विकसित किए जाने के बावजूद, उसे भरोसेमंद और बड़े पैमाने पर उत्पादन योग्य क्षमता में बदलने के लिए औद्योगिक क्षमता, विशेष परीक्षण, कुशल जनशक्ति और निरंतर निवेश की आवश्यकता होती है। अधिक जानकारी के लिए आप रक्षा क्षेत्र के इस विषय पर आगे अध्ययन कर सकते हैं।उदाहरण के लिए, डीआरडीओ की टेस्टिंग फैसिलिटीज तक विशेष पहुंच देने का फैसला सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमऔर स्टार्टअप्स के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण हो सकता है। उन्नत रक्षा तकनीकों के लिए महंगे टेस्टिंग और वैलिडेशन बुनियादी ढांचे की आवश्यकता होती है, जिसे छोटी कंपनियां अक्सर स्वतंत्र रूप से स्थापित करने का खर्च नहीं उठा सकती हैं।सुविधाओं तक पहुंच मिलने से विकास की लागत कम हो सकती है, उत्पाद विकास का समय छोटा हो सकता है और छोटी फर्मों को यह साबित करने का मौका मिल सकता है कि उनकी तकनीकें सैन्य मानकों पर खरी उतरती हैं। इससे उन कंपनियों की संख्या में काफी इजाफा हो सकता है जो प्रोटोटाइप विकसित करने के स्तर से आगे बढ़कर वास्तविक रक्षा उत्पादन करने में सक्षम हैं।

एमएसएमई और स्टार्टअप्स के लिए प्रवेश की बाधाओं को कम करना

हाल के वर्षों में भारत के रक्षा विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) आधार का काफी विस्तार हुआ है, लेकिन जटिल रक्षा उत्पादन पर अभी भी सार्वजनिक और निजी क्षेत्र की अपेक्षाकृत सीमित संख्या में बड़ी कंपनियों का ही दबदबा है।

यह नया ढांचा इसी आधार को व्यापक बनाने का प्रयास करता है। सीधे तौर पर फंडिंग, इनक्यूबेशन सहायता और टेस्टिंग इंफ्रास्ट्रक्चर तक पहुंच मिलने से उभरती हुई रक्षा कंपनियों के सामने आने वाली तीन बड़ी समस्याओं को दूर करने में मदद मिल सकती है- पूंजी की कमी, बुनियादी ढांचे की कमी और तकनीकी मार्गदर्शन की कमी।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस स्वायत्त प्रणालियों, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध, क्वांटम तकनीकों या उन्नत सेंसरों पर काम करने वाले किसी डीप-टेक स्टार्टअप% के लिए, सशस्त्र बलों तक उत्पाद पहुंचने से पहले आवश्यक शुरुआती निवेश काफी अधिक हो सकता है। पारंपरिक वाणिज्यिक बाजारों के विपरीत, रक्षा खरीद में लंबी विकास, परीक्षण, प्रमाणन और स्वीकृति की प्रक्रियाएं शामिल होती हैं।

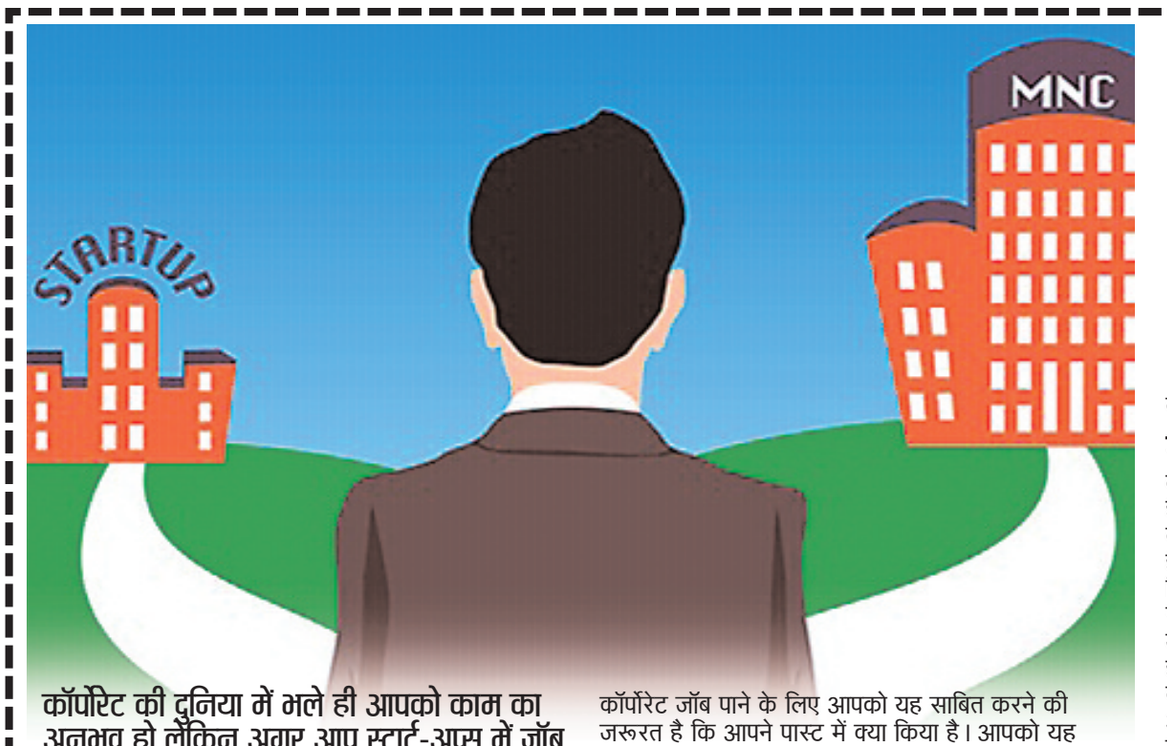

समझिए कॉर्पोरेट जॉब्स और स्टार्ट-अप जॉब्स में अंतर

कॉर्पोरेट की दुनिया में भले ही आपको काम का अनुभव हो लेकिन अगर आप स्टार्ट-अप्स में जॉब पाने का सोच रहे हैं तो पहले कॉर्पोरेट जॉब्स और स्टार्ट-अप जॉब्स में अंतर समझ लीजिए। यह एक्सपीरियेंस वर्सेस पैशन की बात है। आपका अनुभव आपको स्टार्ट-अप जॉब नहीं दिलवा सकता लेकिन पैशन हो तो यह संभव है। कॉर्पोरेट जॉब्स और स्टार्ट-अप जॉब्स में ये चार अंतर समझकर आप आगे बढ़ने का सोच सकते हैं :

पास्ट वर्सेस फ्यूचर

कॉर्पोरेट जॉब पाने के लिए आपको यह साबित करने की जरूरत है कि आपने पास्ट में क्या किया है। आपको यह बताना होगा कि आप किन बातों में दक्ष थे और आपने यह काम पहले किया है। आप अपने रेज्यूमे को अनुभवों से भरा हुआ बताएंगे। स्टार्ट-अप जॉब पाने के लिए आपको यह साबित करना होगा कि आप फ्यूचर में क्या कर सकते हैं। यहां आपके रेज्यूमे में हाइरगि एन्टरप्रेन्योर का ध्यान खिंचने जैसा कुछ नहीं है, यहां तक कि पढ़ने जैसा कुछ नहीं है। जब रेज्यूमे और पास्ट एक्सपीरियेंस की बात आती है तो इसका स्टार्ट-आप जॉब्स के लिए उतना मतलब नहीं है।

अंतर: आपने पास्ट में क्या किया है यह कल की खबर है। स्टार्ट-अप में जॉब पाने के लिए, आपको बताना होगा कि आप कल क्या कर सकते हैं।

माउथ वर्सेस ईयर्स

कॉर्पोरेट जॉब के इंटरव्यू में बहुत सारी बातें करने की जरूरत होती है। आप रिक्रूटर से बात करते हैं। आप एचआर डिपार्टमेंट्स से बात करते हैं। आपको हाइरिंग मैनेजर और टीममेट्स से बात करना होती है। आप यह साबित करने के लिए बात करते हैं कि आप जानते हैं कि आप क्या बात कर रहे हैं। आप जॉब पाने के लिए बात करते हैं। स्टार्ट-अप जॉब के लिए इंटरव्यू में आपको बहुत सारा सुनने की जरूरत होती है। बिजनेस की कहानी सुननी होती है। यह सुनना होता है कि बिजनेस आइडिया कहां से आया और कैसे बिजनेस आगे बढ़ा। आपको यह सुनना होता है कि इस प्रक्रिया में कितना मजा आया और किस तरह का क्रेज इसके लिए था। आपका यह सुनना साबित करता है कि आप इस बिजनेस के लिए जुनूनी हैं। क्योंकि अगर आप बिज़नेस को लेकर आकर्षित नहीं हैं तो आप यहां काम नहीं करना चाहिए।

अंतर: एक स्टार्ट-अप इंटरव्यू आपके बारे में नहीं है। यह बिजनेस के बारे में है और बिजनेस में आपकी रूचि के बारे में हैं। साबित करें कि आप इसे मंत्रमुग्ध हैं।

डिग्री वर्सेस एक्शन

अगर आप बड़े-बड़े एमएनसी में काम करने की इच्छा रखते हैं तो आपको उस तरह की डिग्री चाहिए। इसमें प्रवेश के लिए न्यूनतम आवश्यकता एक कॉलेज डिग्री की है। बड़े और बेहतर जॉब्स के लिए आपके पास एमबीए होना चाहिए। स्टार्ट-अप में जॉब चाहते हैं इस तथ्य को भूल जाइए कि आप स्कूल गए थे। एन्टरप्रेन्योर्स का विश्वास काम करने में है, ना कि पढ़ाई में।

अंतर: आपने क्या पढ़ा है, वह पूरी तरह शैक्षणिक है। स्टार्ट-अप में जॉब पाने के लिए मायने रखता है कि आप क्या कर सकते हैं। अपनी डिग्री छुपाएं और इसके बारे में बात करें।

मनी वर्सेस कैश फ्लो

कॉर्पोरेट जॉब के इंटरव्यू के लिए आपको अपनी सैलेरी निगोशिएट करेंगे। आप स्टॉक और बोनस प्लान के बारे में बात कर सकते हैं। स्टार्ट-अप के इंटरव्यू में आपको कैश फ्लो के बारे में बात करना होगी। स्टार्ट-अप में कैश राजा है और सैलेरी दुश्मन है। आप सैलेरी कम करने को कहा जा सकता है। आपको यहां तक की मुफ्त में काम करने के लिए कहा जा सकता है। आपको वे बताएंगे कि उन्हें क्या मिला है। और अगर आप वहां काम करना चाहते हैं तो आपको यह लेना चाहिए।

अंतर : अगर आप जॉब केवल आर्थिक दृष्टि से कर रहे हैं तो कॉर्पोरेट जॉब इसका जवाब है। अगर जॉब के साथ आने वाले फायदें और पर्क्स आपके दिमाग में नहीं घुमते हैं तो आपका स्टार्ट-अप को लेकर माइंड सेट है।

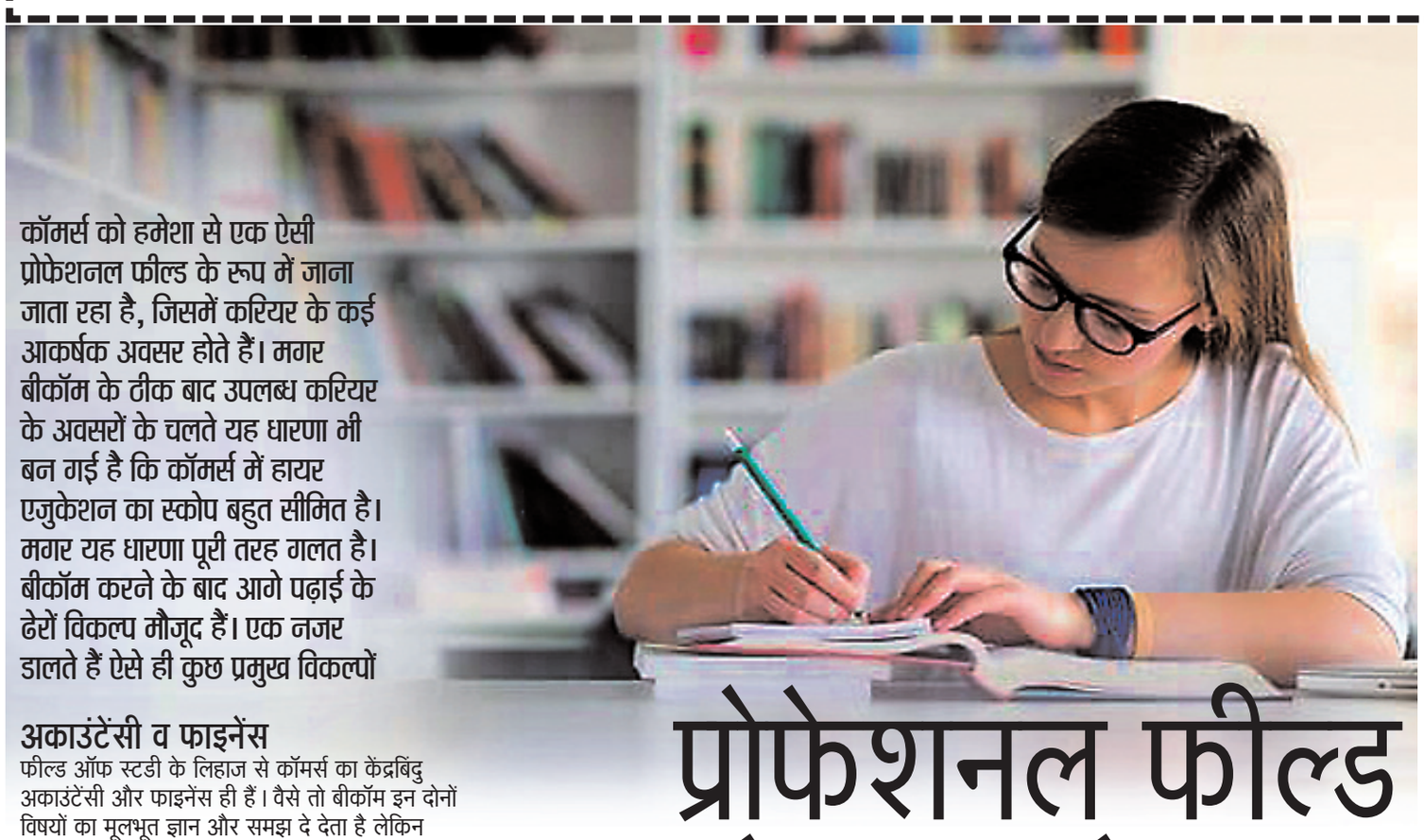

कॉमर्स को हमेशा से एक ऐसी प्रोफेशनल फील्ड के रूप में जाना जाता रहा है, जिसमें करियर के कई आकर्षक अवसर होते हैं। मगर बीकॉम के ठीक बाद उपलब्ध करियर के अवसरों के चलते यह धारणा भी बन गई है कि कॉमर्स में हायर एजुकेशन का स्कोप बहुत सीमित है। मगर यह धारणा पूरी तरह गलत है। बीकॉम करने के बाद आगे पढ़ाई के ढेरों विकल्प मौजूद हैं। एक नजर डालते हैं ऐसे ही कुछ प्रमुख विकल्पों

प्रोफेशनल फील्ड के रूप में जाना जाता रहा है कॉमर्स

अकाउंटेंसी व फाइनेंस

फील्ड ऑफ स्टडी के लिहाज से कॉमर्स का केंद्रबिंदु अकाउंटेंसी और फाइनेंस ही हैं। वैसे तो बीकॉम इन दोनों विषयों का मूलभूत ज्ञान और समझ दे देता है लेकिन यदि आप गहराई में जाकर इनका अध्ययन करना चाहते हैं, तो बीकॉम के बाद इनमें से कोई कोर्स कर सकते हैं:

चार्टर्ड अकाउंटेंसी (सीए)

चार्टर्ड अकाउंटेंसी को फाइनेंस एंड अकाउंटेंसी के क्षेत्र में सर्वोच्च डिग्री माना जाता है। सीए प्रोग्राम में विद्यार्थी को अकाउंटिंग, ऑडिटिंग और टैक्सेशन का संपूर्ण ज्ञान दिया जाता है।

सर्टिफाइड फाइनेंशियल एनालिस्ट

सीएफए अकेडेमिक प्रोग्राम उन विद्यार्थियों के लिए है, जिन्हें फाइनेंशियल सिस्टम्स तथा इन्वेस्टमेंट्स में गहरी रुचि है। इस कोर्स में विद्यार्थियों को बेसिक अकाउंटिंग स्टैंडर्ड्स, बिज- नेस प्रेक्टिसेज, इकोनॉमिक पॉलिसीज एंड कंडीशंस आदि पढ़ाए जाते हैं।

कॉस्ट अकाउंटेंसी (आईसीडब्ल्यूए)

कॉस्ट अकाउंटेंसी का कोर्स उन विद्यार्थियों के लिए है, जिन्हें कंपनी के कॉस्ट का प्रबंधन करने तथा कंपनी को मुनाफे में रखने के लिए चैक्स एंड बैलेंस मैकेनिज्म विकसित करने में दिलचस्पी है।

कंपनी सेक्रेटरी (सीएस)

यदि आपको कंपनी के स्टॉक तथा इन्वेस्टमेंट्स के प्रबंधन में रुचि है, तो आपको सीएस प्रोग्राम करना चाहिए। कंपनी सेक्रेटरी किसी कंपनी और उसके शेयरधारकों के बीच महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में काम करते हैं और कंपनी के स्टॉक ट्रेडिंग की औपचारिकताओं को संभालते हैं।

स्टॉक ब्रोकिंग

कॉमर्स में ग्रेजुएशन करने के बाद एक और आकर्षक करियर ऑप्शन है स्टॉक ब्रोकिंग का। अगर आपमें शेयरों की पैनी समझ है, तो ब्रोकर के रूप में आप अच्छी-खासी कमाई कर सकते हैं। इसके मूलभूत प्रशिक्षण के लिए आप कोई स्टॉक ब्रोकिंग कोर्स जॉइन कर सकते हैं, जहां आपको व्यक्तियों तथा संस्थानों की ओर से शेयरों की खरीदी-बिक्री के बारे में विस्तृत प्रशिक्षण दिया जाएगा।

एमबीए फाइनेंस

एमबीए फाइनेंस बीकॉम कर चुके विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध सबसे आकर्षक अकेडेमिक ऑप्शंस में से एक है। फाइनेंस में स्पेशलाइजेशन के साथ एमबीए की डिग्री लेकर आप किसी भी प्रतिष्ठित संस्थान में उच्च पद पर अपना करियर शुरू कर सकते हैं।

बैंकिंग व बीमा

बीकॉम के बाद बैंकिंग तथा बीमा के क्षेत्र में भी पढ़ाई कर करियर बनाया जा सकता है। पोस्ट ग्रेजुएट स्तर पर ऐसे स्पेशलाइज्ड अकेडेमिक प्रोग्राम हैं, जो विद्यार्थियों को इन क्षेत्रों की बेसिक्स का प्रशिक्षण देते हैं। इनमें प्रमुख हैं बैंकिंग एंड इंश्योरेंस में स्पेशलाइजेशन के साथ एमकॉम, बैंकिंग में स्पेशलाइजेशन के साथ एमबीए, इंश्योरेंस में स्पेशलाइजेशन के साथ एमबीए आदि। बैंकिंग और बीमा से जुड़े अधिकांश पोस्ट ग्रेजुएट स्तर के प्रोग्राम्स में सब-स्पेशलाइजेशन के भी कई विकल्प होते हैं।

मार्केटिंग

आम तौर पर मार्केटिंग को 'जनरलिस्ट'' फील्ड समझा जाता है, जिसमें किसी भी पृष्ठभूमि के विद्यार्थी अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं। यह बात अपनी जगह सही है लेकिन जब बात एमबीए इन मार्केटिंग या पीजीडीएम इन मार्केटिंग जैसे प्रोग्राम की होती है, तो बीकॉम कर चुके विद्यार्थी निश्चित ही फायदे में होते हैं। कारण यह कि मार्केटिंग मैनेजमेंट मुख्य रूप से न्यूमेरिकल व एनालिटिकल डेटा पर निर्भर करता है, जिसे प्रोसेस करके मार्केटिंग कैंपेन के लिए रूपरेखा तैयार की जाती है। चूंकि बीकॉम ग्रेजुएट्स पहले ही किसी डेटा को परखने के लिए बेसिक एनालिटिकल एप्टिट्यूड तथा लॉजिकल मैथडोलॉजी से लैस हो चुके होते हैं, सो एमबीए मार्केटिंग करना उनके लिए आसान हो जाता है।

लॉ

वैसे तो आपको कई लोग मिल जाएंगे, जो लॉ के क्षेत्र में करियर को बीकॉम के विद्यार्थियों के लिए आदर्श नहीं मानेंगे लेकिन पढ़ने और करियर बनाने के लिए यह एक बेहतरीन फील्ड है। आप लॉ की किसी भी फील्ड में स्पेशलाइजेशन कर सकते हैं। बिजनेस लॉ की फील्ड में स्पेशलाइजेशन करने में आपकी बीकॉम की पृष्ठभूमि बड़े काम आएगी। या फिर, यदि आपकी रुचि हो, जो आप एकेडमिक लॉ अथवा जनरल लॉ में भी स्पेशलाइज कर सकते हैं।

कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग

इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी भारतीय अर्थव्यवस्था ही नहीं, ग्लोबल अर्थव्यवस्था का सबसे तेजी से बढ़ता सेक्टर है। बीकॉम करने के बाद जो विद्यार्थी इस फील्ड में मौजूद अवसरों को भुनाना चाहते हैं, वे एमसीए या एमएससी आईटी करके ऐसा कर सकते हैं। हालांकि ये कोर्स कराने वाले अधिकांश कॉलेज साइंस ग्रेजुएट्स को ही इनमें प्रवेश देते हैं लेकिन कुछ कॉलेज मैथ्स में उत्कृष्ट परफॉर्म करने वाले कॉमर्स ग्रेजुएट्स को भी प्रवेश दे देते हैं। हालांकि यह आपको ठोस कॉमर्स के क्षेत्र से दूर ले जाएगा लेकिन यदि आपको इन फील्ड्स में गहरी रुचि है, तो आपको इस ओर भी गौर जरूर करना चाहिए।

चाहते हैं बेहतर प्लेसमेंट तो इन चीजों को फॉलो करें

आज दुनिया की लगभग हर बड़ी कंपनी भारत के बाजार को उम्मीद भरी नजरों से देख रही है। सभी को भारत का विशाल बाजार आकर्षित कर रहा है। यहां के महानगरों से लेकर छोटे शहरों, कस्बों और यहां तक कि गांवों में भी उन्हें बेशुमार संभावनाएं नजर आ रही हैं। भारतीय कंपनियां हों या विदेशी बहुराष्ट्रीय कंपनियां, सभी यहां अपना प्रसार कर रही हैं।

जाहिर है, जब कंपनियों का शहरों से लेकर गांवों तक में प्रसार होगा, तो उन्हें हर स्तर पर तकनीकी और गैर-तकनीकी स्टाफ की जरूरत होगी। यह संख्या हजारों-लाखों में हो सकती है। यह भी कहा जा सकता है कि टियर-2 व टियर-3 शहरों की ओर बढ़ने के कारण इन जगहों के युवाओं के सामने बेशुमार बनाएं होंगी। ये अवसर प्रमुख रूप से रिटेल, आईटी, बैंकिंग, फाइनेंस, टेलीकम्युनिकेशंस, ई-कॉमर्स, मैन्युफैक्चरिंग, इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट, हाउसकीपिंग, हॉस्पिटैलिटी, मेडिकल, ट्रांसपोर्ट, कंस्ट्रक्शन आदि में सामने आ सकते हैं।

नजरिया को व्यवहारिक

जो अवसर सामने आएंगे, उनमें नौकरी सिर्फ चाहने या सपने देख लेने मात्र से नहीं मिल सकती। इसके लिए आपको इन सभी में से अपनी रुचि का क्षेत्र तलाशना होगा और फिर उसके मुताबिक स्किल डेवलप करनी होगी। यह सोचकर मुगालते में न रहें कि आपने आईटी, सिविल, मैकेनिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स या किसी और टेक्निकल ब्रांच से डिप्लोमा या इंजीनियरिंग का कोर्स कर लिया है, तो सिर्फ इसी के आधार पर आपको जॉब मिल जाएगी। परीक्षा पास कर लेने या डिग्री हासिल कर लेने भर से दावा पक्का नहीं हो जाता। आज के दौर में कंपनियां उन्हीं को प्राथमिकता के आधार पर जॉब ऑफर करना चाहती हैं, जो कंपनी की व्यवहारिक जरूरतों के प्रति जागरूक होते हैं और उनमें इतना आत्मविश्वास होता है कि वे कंपनी द्वारा दिए गए हर तरह के असाइनमेंट को बेहतर तरीके से पूरा करते हुए अपना बेस्ट आउटपुट दे सकते हैं।

क्या परखते हैं एक्सपर्ट

अगर कोई कंपनी आपके कॉलेज/यूनिवर्सिटी में प्लेसमेंट के लिए आ रही है, तो उसके एक्सपर्ट सिर्फ यह नहीं देखते कि आपने परीक्षा में कितने अंक लाए हैं। दरअसल, वे अपनी पारखी नजरों से आपका एटिट्यूड परखते हैं। उनका नजरिया एकेडेमिक से कहीं ज्यादा साइकोलॉजिकल होता है। किसी उम्मीदवार को चुनते समय वे यह जरूर देखते हैं कि वह उनकी कंपनी के लिए किस तरह उपयोगी हो सकता है उसकी सोच में कितनी गहराई है उसमें काम को लेकर कितनी लगन और सक्षमता है भविष्य को लेकर वह कितना दूरदर्शी है इन सब के अलावा, यह भी परखा जाता है कि उम्मीदवार कितना आत्मविश्वास से भरा है। अगर सक्षम होते हुए भी किसी उम्मीदवार में आत्मविश्वास की कमी दिखती है, तो वह अवसर चूक सकता है।

स्किल पर फोकस

आपने अपनी रुचि/पसंद के करियर के लिए जो भी क्षेत्र/कोर्स चुना है, उसमें सिर्फ एकेडेमिक उपलब्धि हासिल करके ही आत्ममुग्ध न हो जाएं। परीक्षा में अधकि से अधकि अंक लाना तो जरूरी है ही, मगर बदलते वक्त के अनुसार भरपूर प्रेक्टिकल नॉलेज भी जरूर हासिल करें।

चुनें सही दिशा

सवाल यह भी है कि क्या जो ज्यादातर लोग सीख और कर रहे हैं, आप भी उन्हीं जैसा करें! बिल्कुल नहीं। सबसे पहले तो आप अपनी पसंद को जानें-समझें। आपके पैरेंट्स/गार्जियंस आपकी इच्छा के विपरीत कोई कोर्स

न्यूज इन शॉर्ट

प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना से बदली बस्तर के सुदर्शन की तकदीर

जगदलपुर।दृढ़ संकल्प और सरकारी योजनाओं के सही तालमेल से किस तरह आजीविका की तस्वीर बदली जा सकती है, इसका जीवंत उदाहरण बस्तर जिले के दरभा विकासखंड अंतर्गत ग्राम रामपाल छिन्दावाडा निवासी कृषक श्री सुदर्शन बघेल ने पेश किया है। श्री बोरगा बघेल के पुत्र सुदर्शन एक समय अपने परिवार के भरण-पोषण के लिए मुख्य रूप से पारंपरिक खेती-बाड़ी पर ही निर्भर थे। इसके साथ ही वे आजीविका के लिए एक छोटी धान मिल चलाते थे और एक छोटी सी डबरी में सीमित स्तर पर पारंपरिक मछली पालन करते थे। हालांकि, सीमित संसाधनों और पुरानी कार्यप्रणाली की वजह से उनकी आमदनी बेहद सीमित थी और व्यवसाय का विस्तार करना लगातार चुनौतीपूर्ण बना हुआ था।

अपनी आय बढ़ाने के प्रयासों के दौरान जब उन्हें मत्स्य विभाग की योजनाओं की जानकारी मिली, तो उन्होंने केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी 'प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना' का रुख किया। इस योजना के तहत उन्होंने सवा एकड़ रकबा में तालाब निर्माण एवं इनपुट सहायता घटक का लाभ उठाया। अनुसूचित जनजाति वर्ग के अंतर्गत उन्हें साढ़े पांच लाख रुपये की कुल स्वीकृत लागत पर 60 प्रतिशत अनुदान राशि प्राप्त हुई। विभाग से मिली इस आर्थिक सहायता और तकनीकी मार्गदर्शन ने उनके सपनों को नई दिशा दी।

वैज्ञानिक प्रबंधन और कड़ी मेहनत के बल पर सुदर्शन ने तालाब में मिश्रित प्रजाति की मछलियों का पालन शुरू किया, जिसके फलस्वरूप बेहतर गुणवत्ता, बड़े आकार और अच्छे वजन वाली मछलियों का शानदार उत्पादन हुआ। उन्होंने व्यावसायिक सूझबूझ का परिचय देते हुए उपज को बिचौलियों के हाथों बेचने के बजाय अपने गांव और नजदीकी बाजारों में सीधे उपभोक्ताओं तक पहुंचाया। इस प्रत्यक्ष बिक्री रणनीति से उन्हें मछलियों का उत्कृष्ट मूल्य प्राप्त हुआ और उन्होंने डेढ़ लाख रुपये की सीधी विक्रय आय अर्जित की। आज सुदर्शन बघेल न केवल आर्थिक रूप से पूरी तरह सशक्त और आत्मनिर्भर बन चुके हैं, बल्कि क्षेत्र के अन्य किसानों के लिए भी आधुनिक तकनीक और शासकीय योजनाओं के सफल क्रियान्वयन की एक प्रेरक मिसाल हैं।

विश्वकर्मा जयंती पर वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी ने दी प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

विश्वकर्मा जयंती पर वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी ने दी प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

रायपुर। वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी ने देवशिल्पी भगवान विश्वकर्मा जी की जयंती के अवसर पर समस्त प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने भगवान विश्वकर्मा से प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की है।वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि भगवान विश्वकर्मा को सृजन, शिल्प, निर्माण और तकनीकी कौशल का प्रतीक माना जाता है। उनकी जयंती पर कारीगर, शिल्पकार, इंजीनियर, तकनीकी विशेषज्ञ और विभिन्न निर्माण एवं औद्योगिक क्षेत्रों से जुड़े लोग श्रद्धा के साथ उनका पूजन करते हैं। उन्होंने कहा कि भगवान विश्वकर्मा की सृजनशीलता और कर्मठता हमें अपने कौशल का सदुपयोग करते हुए राष्ट्र और समाज के निर्माण में योगदान देने की प्रेरणा देती है। आज के समय में कौशल, तकनीक और नवाचार विकास की महत्वपूर्ण आधारशिला हैं।वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कामना की कि भगवान विश्वकर्मा की कृपा से प्रदेश निरंतर प्रगति के पथ पर आगे बढ़े और प्रत्येक परिवार के जीवन में सुख, समृद्धि एवं खुशहाली आए।

सेवा संकल्प अभियान के तहत ग्रामीणों के बीच पहुंचे पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल

पीएम जनमन आवास के हितग्राहियों से की आत्मीय मुलाकात, लखपति दीदी श्रीमती भानुकला बैगा की सफलता को सराहा

जनकल्याणकारी योजनाओं से बदली जिंदगी, सेवा संकल्प अभियान में सामने आईं सफलता की कहानियां

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में 25 वर्षों की समर्पित जनसेवा के अवसर पर 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक आयोजित सेवा संकल्प अभियान के तहत पर्यटन, संस्कृति, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के ग्रामीण क्षेत्रों का दौरा कर हितग्राहियों से आत्मीय संवाद किया। उन्होंने गौरेला विकासखंड के ग्राम पंचायत धनौली पहुंचकर शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित परिवारों से मुलाकात की और उनके जीवन में आए सकारात्मक बदलावों की जानकारी ली।

मंत्री श्री अग्रवाल ने पीएम जनमन आवास योजना के हितग्राही श्री कार्तिक राम बैगा एवं श्री धीरपाल सिंह बैगा के नवनिर्मित आवासों का अवलोकन किया। उन्होंने दोनों परिवारों से चर्चा कर आवास मिलने के बाद उनके जीवन में आए बदलावों के बारे में जाना। हितग्राहियों ने पक्का आवास मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार जताया। सेवा संकल्प अभियान के दौरान ग्रामीणों से संवाद करते हुए मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने श्री धीरपाल सिंह बैगा की पत्नी श्रीमती भानुकला बैगा की सफलता की कहानी भी जानी। श्रीमती भानुकला बैगा ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान के महिला स्वसहायता समूह से जुड़ी हैं और बकरी पालन सहित विभिन्न आजीविका गतिविधियों के माध्यम से अपनी आय बढ़ा रही हैं।

स्वसहायता समूह से जुड़कर निरंतर मेहनत और आजीविका गतिविधियों के विस्तार के माध्यम से उन्होंने लखपति दीदी बनने की उपलब्धि हासिल की है। मंत्री श्री अग्रवाल ने उनकी सफलता की सराहना करते हुए कहा कि ग्रामीण महिलाओं का स्वसहायता समूहों से जुड़कर आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ना समाज के लिए प्रेरणादायी है। उन्होंने श्रीमती भानुकला बैगा को आगे भी अपनी आजीविका गतिविधियों को विस्तार देने के लिए प्रोत्साहित किया।

'आयुष्मान भारत योजना के हितग्राही से जाना योजना का लाभ'

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों से संवाद की कड़ी में मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने आयुष्मान भारत योजना के हितग्राही श्री नेमचंद गुर्जर से भी मुलाकात की। उन्होंने श्री गुर्जर एवं उनके परिवार से स्वास्थ्य संबंधी जानकारी ली और आयुष्मान भारत योजना से मिले लाभ के बारे में जाना।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के विशेष प्रयासों से शुरू हुआ सड़क निर्माण कार्य

पत्थलगांव-कुनकुरी राष्ट्रीय राजमार्ग के अधूरे निर्माण को मिली गति

125 करोड़ रुपये की लागत से करीब 64 किलोमीटर सड़क का होगा निर्माण

24 माह में कार्य पूर्ण करने की समय-सीमा निर्धारित

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के विशेष प्रयासों से जशपुर जिले में लंबे समय से अधूरे पड़े पत्थलगांव-कुनकुरी राष्ट्रीय राजमार्ग के निर्माण कार्य को अब गति मिली है। करीब 125 करोड़ रुपये की लागत से लगभग 64 किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण किया जाएगा। निर्माण कार्य को 24 माह की समय-सीमा में पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। सड़क निर्माण शुरू होने से क्षेत्रवासियों को बेहतर आवागमन सुविधा मिलने के साथ ही परिवहन और आर्थिक गतिविधियों को भी गति मिलने की उम्मीद है।

पत्थलगांव-कुनकुरी राष्ट्रीय राजमार्ग की अधूरी परियोजना को पूरा करने के लिए वर्ष 2015 में जारी पूर्व निविदा को निरस्त कर नए सिरे से निविदा प्रक्रिया पूरी की गई। नई निविदा प्रक्रिया के बाद मेसर्स विनोद जैन कंस्ट्रक्शन कंपनी को निर्माण कार्य की जिम्मेदारी सौंपी गई है। संबंधित कंपनी द्वारा सड़क निर्माण का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है।

केंद्रीय मंत्री श्री नितिन गडकरी से मुलाकात कर मुख्यमंत्री ने उठाया था मुद्दामुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने पदभार ग्रहण करने के बाद से ही जशपुर जिले में लंबे समय से अधूरी राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं को पूरा कराने के लिए लगातार प्रयास किए हैं। इसी क्रम में उन्होंने नई दिल्ली में केंद्रीय सड़कनतिन गडकरी से मुलाकात कर ।

सेवा सेतु केंद्र से महज 3 दिन में बना निवास प्रमाण पत्र

सेवा सेतु केंद्र से महज 3 दिन में बना निवास प्रमाण पत्र

पथलगांव के जगदीश कुमार को घर के पास मिली त्वरित सरकारी सेवा

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में सुशासन को जनसुविधा से जोड़ते हुए सरकारी सेवाओं की पहुंच को सरल और त्वरित बनाया जा रहा है। 'सेवा सेतु आईडी-सरल समाधान' के माध्यम से नागरिकों को अब विभिन्न शासकीय सेवाएं घर के नजदीक ही उपलब्ध हो रही हैं। इससे लोगों को कार्यालयों के चक्कर लगाने और लंबी कतारों में समय बिताने से राहत मिल रही है।

पथलगांव के जगदीश कुमार को मिली त्वरित सेवा:

जशपुर जिले के पत्थलगांव तहसील निवासी श्री जगदीश कुमार को निवास प्रमाण पत्र नहीं होने के कारण शासकीय योजनाओं का लाभ लेने में परेशानी हो रही थी। उन्होंने निवास प्रमाण पत्र बनवाने के लिए पथलगांव स्थित सेवा सेतु केंद्र में आवेदन प्रस्तुत किया। ऑनलाइन व्यवस्था के माध्यम से उनके आवेदन का समयबद्ध निराकरण किया गया।श्री जगदीश कुमार ने बताया कि उन्होंने 11 सितम्बर को निवास प्रमाण पत्र के लिए आवेदन किया था। आवेदन करने के महज तीन दिवस के भीतर उन्हें निवास प्रमाण पत्र प्राप्त हो गया। निर्धारित समय-सीमा के भीतर प्रमाण पत्र मिलने से उन्हें काफी राहत मिली है।

सेवा संकल्प अभियान के तहत ग्रामीणों के बीच पहुंचे पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल

सेवा संकल्प अभियान के तहत ग्रामीणों के बीच पहुंचे पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल

पीएम जनमन आवास के हितग्राहियों से की आत्मीय मुलाकात, लखपति दीदी श्रीमती भानुकला बैगा की सफलता को सराहां

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में 25 वर्षों की समर्पित जनसेवा के अवसर पर 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक आयोजित सेवा संकल्प अभियान के तहत पर्यटन, संस्कृति, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के ग्रामीण क्षेत्रों का दौरा कर हितग्राहियों से आत्मीय संवाद किया। उन्होंने गौरेला विकासखंड के ग्राम पंचायत धनौली पहुंचकर शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित परिवारों से मुलाकात की और उनके जीवन में आए सकारात्मक बदलावों की जानकारी ली।

मंत्री श्री अग्रवाल ने पीएम जनमन आवास योजना के हितग्राही श्री कार्तिक राम बैगा एवं श्री धीरपाल सिंह बैगा के नवनिर्मित आवासों का अवलोकन किया। उन्होंने दोनों परिवारों से चर्चा कर आवास मिलने के बाद उनके जीवन में आए बदलावों के बारे में जाना। हितग्राहियों ने पक्का आवास मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार जताया। सेवा संकल्प अभियान के दौरान ग्रामीणों से संवाद करते हुए मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने श्री धीरपाल सिंह बैगा की पत्नी श्रीमती भानुकला बैगा की सफलता की कहानी भी जानी। श्रीमती भानुकला बैगा ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान के महिला स्वसहायता समूह से जुड़ी हैं और बकरी पालन सहित विभिन्न आजीविका गतिविधियों के माध्यम से अपनी आय बढ़ा रही हैं।

स्वसहायता समूह से जुड़कर निरंतर मेहनत और आजीविका गतिविधियों के विस्तार के माध्यम से उन्होंने लखपति दीदी बनने की उपलब्धि हासिल की है। मंत्री श्री अग्रवाल ने उनकी सफलता की सराहना करते हुए कहा कि ग्रामीण महिलाओं का स्वसहायता समूहों से जुड़कर आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ना समाज के लिए प्रेरणादायी है। उन्होंने श्रीमती भानुकला बैगा को आगे भी अपनी आजीविका गतिविधियों को विस्तार देने के लिए प्रोत्साहित किया।

'आयुष्मान भारत योजना के हितग्राही से जाना योजना का लाभ'

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों से संवाद की कड़ी में मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने आयुष्मान भारत योजना के हितग्राही श्री नेमचंद गुर्जर से भी मुलाकात की। उन्होंने श्री गुर्जर एवं उनके परिवार से स्वास्थ्य संबंधी जानकारी ली और आयुष्मान भारत योजना से मिले लाभ के बारे में जाना। श्री नेमचंद गुर्जर ने बताया कि उन्होंने आयुष्मान कार्ड के माध्यम से उपचार का लाभ लिया है। उन्होंने रेबीज का टीकाकरण भी कराया है। मंत्री श्री अग्रवाल ने योजना से मिले लाभ की जानकारी लेते हुए परिवार के स्वास्थ्य का हालचाल जाना।

'ग्रामीणों की आत्मीयता से अभिभूत हुए मंत्री श्री अग्रवाल'

मुलाकात के दौरान गुर्जर परिवार ने मंत्री श्री राजेश अग्रवाल का आत्मीय स्वागत किया और उन्हें गरमा-गरम स्वादिष्ट भुट्टा खिलाया। ग्रामीण परिवार के इस सहज और आत्मीय आतिथ्य के लिए मंत्री श्री अग्रवाल ने परिवार का धन्यवाद किया। इस दौरान ग्रामीणों और मंत्री के बीच सहज संवाद का वातावरण बना रहा। मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने ग्रामीणों से सेवा संकल्प अभियान में अधिक से अधिक सहभागिता की अपील की। उन्होंने कहा कि यह अभियान सेवा, समर्पण और जनभागीदारी की भावना को मजबूत करने का अवसर है। उन्होंने ग्रामीणों से 'आशीर्वाद का दीप' जलाकर अभियान से जुड़ने और जनसेवा की भावना को आगे बढ़ाने का आग्रह किया।उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं का वास्तविक उद्देश्य तभी सार्थक होता है, जब उनका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और लाभार्थी अपने अनुभव साझा कर दूसरे लोगों को भी योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित करें। सेवा संकल्प अभियान इसी जनभागीदारी और सेवा भावना को व्यापक बनाने का माध्यम है। इस अवसर पर विधायक श्री प्रणव कुमार मरपच्ची, जिला पंचायत अध्यक्ष सुश्री समीरा पैकरा, कलेक्टर श्री विजय दयाराम के., जिला पंचायत सीईओ श्री मुकेश रावटे, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अविनाश मिश्रा सहित अनेक जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे।

जल संरक्षण और सिंचाई विस्तार की उपलब्धि, जीपीएम में सिंचाई क्षमता छह गुना से अधिक बढ़ी

जल संरक्षण और सिंचाई विस्तार की उपलब्धि, जीपीएम में सिंचाई क्षमता छह गुना से अधिक बढ़ी

जल संसाधन विभाग की 25 वर्षों की विकास यात्रा ने बदली कृषि की तस्वीर, 4,458 हेक्टेयर से बढ़कर 25,936 हेक्टेयर हुई सिंचाई क्षमता

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के विजन और मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में जल संसाधनों के बेहतर प्रबंधन, सिंचाई सुविधाओं के विस्तार और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में जल संसाधन विभाग की 25 वर्षों की विकास यात्रा ग्रामीण विकास और कृषि क्षेत्र में आए महत्वपूर्ण बदलावों को रेखांकित करती है। राज्य निर्माण के बाद जिले में सिंचाई अधोसंरचना के विस्तार से सिंचाई क्षमता 4,458 हेक्टेयर से बढ़कर वर्ष 2026 में 25,936 हेक्टेयर हो गई है।

राज्य गठन के समय सीमित थीं सिंचाई सुविधाएं: राज्य गठन के समय जिले में जल संसाधन अधोसंरचना सीमित थी। 1 नवंबर 2000 से पूर्व जिले में कुल 28 जल संसाधन परियोजनाएं निर्मित थीं। इनमें 17 जलाशय, 4 व्यपवर्तन योजनाएं, 2 स्टॉप डेम और 5 एनीकट शामिल थे। इन परियोजनाओं से मात्र 4,458 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई हो पाती थी। सिंचाई के सीमित साधनों के कारण कृषि मुख्यतः मानसूनी वर्षा पर निर्भर थी।

अत्याधुनिक जिम का उद्घाटन, स्वच्छता ही सेवा अभियान का हुआ शुभारंभ

विश्वकर्मा जयंती पर आईसीएआर-एनआईबीएसएम में मशीनरी की पूजा

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

आईसीएआर-राष्ट्रीय जैविक स्ट्रेस प्रबंधन संस्थान (आईसीएआर-एनआईबीएसएम), रायपुर में गुरुवार को विश्वकर्मा जयंती पारंपरिक उत्साह एवं श्रद्धा के साथ मनाई गई। इस अवसर पर भगवान विश्वकर्मा, जिन्हें दिव्य वास्तुकार एवं शिल्पकार के रूप में पूजनीय माना जाता है, की विधिवत पूजा-अर्चना की गई। संस्थान में अनुसंधान एवं विभिन्न संस्थागत गतिविधियों में उपयोग होने वाली मशीनरी, यंत्रों, उपकरणों एवं तकनीकी सुविधाओं की भी पूजा की गई।

संस्थान के निदेशक डॉ. पी. के. राय ने भगवान विश्वकर्मा की पूजा-अर्चना कर स्टाफ एवं विद्यार्थियों को विश्वकर्मा जयंती की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने अनुसंधान एवं संस्थागत कार्यों को प्रभावी बनाने में आधुनिक तकनीक, वैज्ञानिक उपकरणों एवं मशीनरी की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालते हुए इनके उचित उपयोग, रखरखाव एवं देखभाल पर जोर दिया।

इस अवसर पर संस्थान के स्टाफ एवं विद्यार्थियों के लिए आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित अत्याधुनिक जिम का उद्घाटन भी निदेशक डॉ. पी. के. राय द्वारा किया गया। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि नियमित व्यायाम अच्छे स्वास्थ्य, शारीरिक फिटनेस एवं समग्र स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों एवं स्टाफ को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा दैनिक दिनचर्या में नियमित व्यायाम को शामिल करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का समन्वय डॉ. पंकज शर्मा, संयुक्त निदेशक द्वारा किया गया।

इसी क्रम में संस्थान में स्वच्छता ही सेवा अभियान 2026 का भी शुभारंभ किया गया। यह अभियान 17 सितंबर से 2 अक्टूबर 2026 तक ÷स्वच्छता में सहभाग, स्वच्छ भारत विकसित भारत÷ थीम के साथ आयोजित किया जाएगा। अभियान का उद्देश्य स्वच्छता, साफ-सफाई एवं स्वच्छ पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ संस्थान के स्टाफ एवं विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करना है।अभियान के प्रथम दिन डॉ. पी. के. राय ने स्टाफ एवं विद्यार्थियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई तथा स्वच्छता को सामूहिक जिम्मेदारी के रूप में अपनाते हुए विभिन्न स्वच्छता गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया। नोडल अधिकारी डॉ. सुशील कुमार शर्मा ने अभियान के अंतर्गत प्रस्तावित गतिविधियों एवं कार्ययोजना की जानकारी दी तथा कार्यक्रम का समन्वय किया। तीनों कार्यक्रमों में संस्थान के स्टाफ एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रमों के माध्यम से संस्थानद्धता को रेखांकित किया गया।

एक सत प्रयास जनकल्याण समिति के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक **अभिषेक शर्मा** द्वारा 202, भाटागांव चौराहा , रायपुर (छत्तीसगढ़) पिन 492015 से प्रकाशित एवं आसमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड , गॉस मेमोरियल हाल के पास , जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित।

संपादक - रिज़वान आज़म, **समूह संपादक**- महेश कुमार तिवारी ईमेल - eksatbulletin@gmail.com R.N.I Number - CHHHIN/2020/78457 पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार ।